नई दिल्ली ■ सोमवार 16 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 347 ■ पृष्ठ 08

JBT
जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

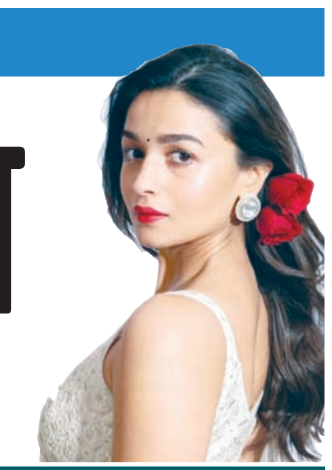

04 वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की आत्मनिर्भरता | 07 क्रिकेटर कुलदीप यादव मसूरी में विवाह बंधन में बंधे | हिट फिल्मों से बनाई अलग पहचान:आलिया भट्ट 08

बंगाल, तमिलनाडु और असम समेत पांच राज्यों में चुनाव तारीखों की घोषणा

चार मई को होगी मतगणना

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा।

कुमार ने बताया कि केरल, असम और पुडुचेरी के लिए नौ अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। उन्होंने बताया कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 824 सीटों पर मतगणना चार मई को होगी। कुमार ने कहा कि चुनाव हिंसा या प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए और आयोग किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। कुमार के साथ दो निर्वाचन आयुक्त - सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, ''शुद्ध मतदाता सूची हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है; किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए और किसी भी अपात्र मतदाता को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने बताया कि पांच राज्य विधानसभाओं के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जहां 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा की जनसंख्या के बराबर है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 20 देशों के चुनाव निकायों के प्रतिनिधि भारत के ''लोकतंत्र के उत्सव'' का अनुभव प्राप्त करने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा करेंगे। कुमार ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है। कुमार ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अच्छा काम करने के लिए बीएलओ को बधाई भी दी। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारी हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत अपलोड करेंगे और चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद मतदान के आंकड़े अपलोड किए जाएंगे।

तमिलनाडु में कुल 234 विधानसभा सीटें हैं, जहां द्रमुक नेता एम.के. स्टालिन सात मई, 2021 से मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं, जहां तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी 2011 से सत्ता में हैं। केरल में कुल 140 विधानसभा सीटें हैं, जहां वामपंथी नेता पिनराई विजयन 2016 से मुख्यमंत्री हैं और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। असम में विधानसभा की 126 सीटें हैं और पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा 2016 से सत्ता में है तथा हिमंत विश्व शर्मा 2021 से मुख्यमंत्री हैं। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी 2021 से सत्ता में हैं। केंद्र शासित प्रदेश में कुल 33 सीटें हैं, जिनमें केंद्र द्वारा मनोनीत तीन सदस्य शामिल हैं।

- केरल, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु में एक चरण में, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में वोटिंग
- तमिलनाडु में 23 अप्रैल, प.बंगाल में 23 और 29 अप्रैल, असम-केरल-पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग

25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे: मुख्य चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति मतदान केंद्र पर औसतन 750-900 मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर एक साथ मतदान होगा। इस दौरान 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

चुनाव का पर्व हम, सबका गर्व है: ज्ञानेश कुमार

सीईसी ने प्रेस वार्ता में कहा कि- मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि अब आप सबसे अहम जिम्मेदारी उठाने जा रहे हैं। मतदान का अधिकार। आप गर्व से और जिम्मेदारी से अपने वोट का इस्तेमाल करें। आपका वोट आपका मत है। चुनाव का पर्व हम, सबका गर्व है।

किस राज्य में क्या है आंकड़े

- पश्चिम बंगाल में 6.44 करोड़ मतदाता हैं
- असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता है
- केरल में 2.70 करोड़ मतादाता हैं
- केरल में 1.31 करोड़ पुरुष मतदाता हैं
- असम में 31 हजार पोलिंग बूथ बनाए गए हैं
- 25 लाख चुनाव अधिकारी तैनात किए गए हैं
- 5 राज्यों में 17.4 करोड़ वोटर हैं
- 5 राज्यों में 218870 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं
- 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए गए हैं
- काउंटिंग के लिए 40 हजार कर्मचारी नियुक्त किए गए
- पुडुचेरी में 5 लाख महिला मतदाता है

पुजारियों और मुअज्जिनों के मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी : ममता

कोलकाता। विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा से कुछ घंटे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को पुरोहितों और मुअज्जिनों के मासिक मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि, प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का मार्च से भुगतान करने की घोषणा की। इस संशोधन के बाद, पुरोहितों व मुअज्जिनों को अब प्रति माह 2,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने बताया कि बंगाल सरकार इस साल मार्च से अपने कर्मचारियों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान करेगी। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार, उन्हें मार्च 2026 से आरओपीए 2009 के तहत मिलने वाली महंगाई भत्ता राशि का बकाया मिलना शुरू हो जाएगा।" यह बकाया वेतन और भत्तों का संशोधन (आरओपीए) 2009 से संबंधित है, जो सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। इसमें शिक्षकों, नगर पालिका और पंचायत कर्मचारियों तथा अन्य अनुदान प्राप्त संस्थानों के वेतन और भत्ते शामिल हैं। बनर्जी ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पुरोहितों और मुअज्जिनों को दिए जाने वाले मासिक मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की गई है, जिनकी सेवा हमारे समुदायों के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को बनाए रखती है। इस संशोधन के साथ, उन्हें अब प्रतिमाह 2,000 रुपये मिलेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पुरोहितों और मुअज्जिनों द्वारा मानदेय के लिए प्रस्तुत सभी नए आवेदनों को मंजूरी दे दी है। धार्मिक सद्भाव पर सरकार के रुख को रेखांकित करते हुए बनर्जी ने कहा, ''हमें ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने पर गर्व है जहां प्रत्येक समुदाय और परंपरा को महत्व दिया जाता है और उसे मजबूत किया जाता है। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षकों को वह मान्यता और समर्थन मिले जिसके वे हकदार हैं।

माकपा ने उम्मीदवारों की सूची घोषित की, मुख्यमंत्री विजयन धर्मदम से चुनाव लड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनके मंत्रिमंडल के 10 सहयोगी नौ अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में चुनाव लड़ेंगे। सत्तारूढ़ माकपा ने रविवार को यहां यह घोषणा की। विजयन उत्तरी कन्नूर जिले के अपने मौजूदा विधानसभा क्षेत्र धर्मदम से चुनाव लड़ेंगे। वहीं वरिष्ठ नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. के. शैलजा कन्नूर के परवूर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमाएंगी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पार्टी समर्थित छह निर्दलीय उम्मीदवारों सहित 81 उम्मीदवारों की सूची जारी की। माकपा के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) इस बार लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रहा है।

सरकार ने पीएनजी उपयोगकर्ताओं के एलपीजी सिलेंडर रखने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का कनेक्शन रखने वाले वाले परिवारों पर सब्सिडी वाला लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) कनेक्शन रखने या लेने पर रोक लगा दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 14 मार्च को जारी एक अधिसूचना में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण नियमन) आदेश-2000 में बदलाव किया है। इसके तहत अब पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के लिए अपने घरेलू एलपीजी कनेक्शन को 'सरेंडर' करना जरूरी हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अब संशोधित आदेश के तहत पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को खाली एलपीजी सिलेंडर के बदले भरा हुआ रसोई गैस सिलेंडर नहीं देंगी। इसका मकसद उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देना है, जिनके पास पाइप के जरिये गैस की आपूर्ति की सुविधा नहीं है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में संकट के चलते क्षेत्र के नियामक ने शहर गैस वितरण कंपनियों से अपने पीएनजी ढांचे का विस्तार तेजी से करने को कहा है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति पर दबाव को कम किया जा सके। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने शहर गैस वितरण कंपनियों से घरों को घरेलू पीएनजी कनेक्शन देने के काम में तेजी लाने और उन इलाकों में उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने को कहा है जहां पाइपलाइन का ढांचा पहले ही बिछाया जा चुका है।

DRI ने जब्त किया दिल्ली-कोलकाता में 14.13 करोड़ का माल, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली और कोलकाता में सक्रिय विदेशी सोने की तस्करी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही सोना, चांदी और भारतीय मुद्रा सहित कुल 14.13 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। एजेंसी ने बताया कि तस्करी कर लाए गए विदेशी सोने को रेल मार्ग से दिल्ली लाया जाता था। यहां अवैध इकाइयों में उसे पिघलाकर उस पर मौजूद पहचान चिह्न मिटा दिए जाते थे और फिर स्थानीय बुलियन बाजार में गुप्त रूप से बेचा जाता था। कार्रवाई के दौरान कुल 8286.81 ग्राम सोना, जिसकी कीमत 13.41 करोड़ है, 7350.4 ग्राम चांदी जिसकी कीमत 19.67 लाख है और 51,74,100 की भारतीय मुद्रा जब्त की गई। यह कार्रवाई सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के प्रावधानों के तहत की गई है। खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने कोलकाता से ट्रेन द्वारा आए एक यात्री को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रोका। उसके पास विदेशी मार्क वाला सोना मिला जिसे स्टेशन के बाहर एक व्यक्ति को सौंपा जाना था। अधिकारियों ने सोना लेकर आए व्यक्ति और रिसीवर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ के आधार पर दिल्ली में कई स्थानों पर छापेमारी की गई। यहां एक अवैध सोना पिघलाने की इकाई का पता चला जहां विदेशी सोने को पिघलाकर उसके निशान मिटाए जाते थे। परिसर से अतिरिक्त सोना, चांदी और नकदी बरामद की गई। इस इकाई का प्रबंधक भी गिरफ्तार किया गया। जांच आगे बढ़ने पर मामला कोलकाता तक पहुंचा। यहां गिरोह के मास्टरमाइंड का पता एक अन्य अवैध मेल्टिंग यूनिट में चला। उसके पास से भी पिघलाया गया सोना बरामद हुआ। मास्टरमाइंड और दो कैरियर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि तस्करी कर लाया गया विदेशी सोना पिघलाकर उसकी पहचान मिटाई जाती थी और फिर उसे रेल मार्ग से दिल्ली भेजकर बाजार में खपाया जाता था।

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

श्रीनगर। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, ॳघुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

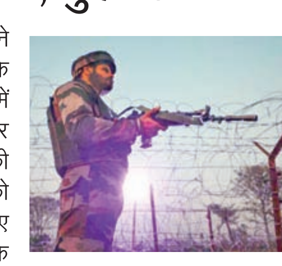

NHAI ने वार्षिक फास्टैग के दाम 3000 से बढ़ाकर 3075 रुपये किये

एक अप्रैल से लागू

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण(एनएचएआई) ने आगामी वित्त वर्ष के लिए फास्टैग वार्षिक पास के शुल्क को 3000 रुपये से बढ़ाकर 3075 रुपये कर दिया है। नए रेट 1 अप्रैल से लागू होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह संशोधन राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और वसूली) नियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार किया गया है। देश में निजी वाहन मालिकों के बीच फास्टैग वार्षिक पास को तेजी से अपनाया जा रहा है और वर्तमान में इसके 56 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं।

वार्षिक पास को 15 अगस्त 2025 को शुरू किया गया था। प्राधिकरण के अनुसार इसे देशभर के राजमार्ग उपयोगकर्ताओं से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। संशोधित शुल्क राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय द्रुतमार्गों के लगभग 1150 टोल प्लाजा पर लागू होगा। यह सुविधा केवल वैध फास्टैग वाले गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए उपलब्ध है। फास्टैग वार्षिक पास एक बार शुल्क भुगतान करने पर एक वर्ष या 200 टोल प्लाजा पार करने तक मान्य रहता है। इससे बार-बार फास्टैग रिचार्ज कराने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

प्राधिकरण ने बताया कि एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद यह पास दो घंटे के भीतर वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर सक्रिय हो जाता है। इसके लिए राजमार्ग यात्रा अनुप्रयोग या प्राधिकरण की वेबसाइट के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।

ईरान ने युद्ध रोकने को फिर शर्तें दोहराई, अमेरिका ने शर्तों से पीछे हटने को कहा

जापान और दक्षिण कोरिया ट्रंप की तेल निकासी की अपील पर कर रहे विचार

तेहरान/वाशिंगटन/टोक्यो/सियोल। ईरान ने युद्ध रोकने के लिए फिर कुछ शर्तें दोहराई हैं। अमेरिका ने कहा है कि ईरान समझौता तो करने को तैयार है, लेकिन उसे अपनी शर्तों से पीछे हटना होगा। इस बीच जापान और दक्षिण कोरिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेल निकासी पर सहयोग की अपील पर कहा कि वह विचार कर रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार अरबी अखबार 'अल-अरबी अल-जदीद' ने इस संबंध में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की है। उनका कहना है कि गारंटी और मुआवजे के बिना युद्ध खत्म नहीं होगा। अराघची ने कहा कि युद्ध का अंत इस बात पर निर्भर करेगा कि यह गारंटी मिले कि हमले दोबारा नहीं होंगे और संघर्ष के दौरान हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाएगा।

अराघची ने कहा कि तेहरान इस क्षेत्र में लक्ष्यों पर हुए हमलों की जांच के लिए क्षेत्रीय देशों के साथ एक संयुक्त जांच समिति बनाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान के अभियान का मकसद सिर्फ इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकाने और हित थे। तेहरान ने पड़ोसी देशों में किसी भी नागरिक या रिहायशी इलाके को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अरब देशों में नागरिक लक्ष्यों पर हुए हमलों के पीछे इजराइल का हाथ हो सकता है, ताकि उन देशों और ईरान के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के 'शाहिद' सिस्टम जैसा ही एक ड्रोन बनाया है, जिसका नाम 'लुकास' है। इस ड्रोन का इस्तेमाल अरब देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए किया गया है। अराघची ने चेतावनी दी कि अगर ईरान की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया गया, तो तेहरान इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी कंपनियों की सुविधाओं पर हमला करके इसका जवाब देगा। अमेरिका के एनबीसी न्यूज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का लगभग तीस मिनट का टेलीफोनिक इंटरव्यू प्रसारित किया है। इसमें ट्रंप ने दो टूक कहा कि ईरान की इच्छा होने के बावजूद, वह उसके साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि शर्तें मानने लायक नहीं हैं। इन शर्तों से ईरान को पीछे हटना होगा।

असम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर निशाना

वह संसद में चाय-पकौड़े खाने जाते हैं

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में 15 वर्ष के अपने शासनकाल के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सेवा बजट से प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपये ''अपनी जेब में डाल लिए''। असम में 2,092 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए काम करती है और उन्होंने राज्य की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों के बराबर लाने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''दस साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था बदहाल थी क्योंकि कांग्रेस केवल अपने नेताओं के परिवारों की 'आर्थिक सेहत' को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही थी।''

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के उनके प्रयास में देश को ''बदनाम'' करने के उनके कृत्यों का कोई भी भारतीय समर्थन नहीं करता। उन्होंने नयी दिल्ली में हाल में हुए एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के 'शर्ट उताकर' विरोध प्रदर्शन करने और संसद भवन की सीढ़ियों पर 'चाय-पकौड़ा' खाने के लिए गांधी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''हम भी विपक्ष में थे और हमने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे, लेकिन इसके लिए एक सही मंच होता है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''संसद लोकतंत्र की पवित्र जगह है। इसकी सीढ़ियों का इस्तेमाल धरने के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए और राहुल गांधी वहां 'चाय-पकौड़ा' खा रहे थे। क्या उन्हें पता नहीं कि नाश्ता कहां करना चाहिए?'' शाह ने यहां 675 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया। उन्होंने 'असम कैंसर केयर फाउंडेशन' (एसीसीएफ) के तहत गोलाघाट और तिनसुकिया में निर्मित कैंसर केंद्रों का भी ऑनलाइन तरीके से उद्घाटन किया।

इनमें से प्रत्येक केंद्र का निर्माण 135 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने दीफू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (220 करोड़ रुपए), जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (310 करोड़ रुपए) और बारपेटा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (284 करोड़ रुपए) में सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों की ऑनलाइन माध्यम से आधारशिला रखी। शाह ने गुवाहाटी में 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले स्वास्थ्य भवन और 115 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अभयपुरी जिला अस्पताल की भी आधारशिला रखी। शाह असम के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम को यहां पहुंचे थे। पूर्वोत्तर राज्य का चार महीने में उनका यह चौथा दौरा है।

- असम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास
- कांग्रेस ने 15 साल के शासनकाल में असम के स्वास्थ्य बजट से हर साल 150 करोड़ रुपये हड़पे: शाह

संक्षिप्त खबरें

छात्रों ने 20 से अधिक स्पर्धाओं में प्रतिभा दिखाई

ग्रेटर नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय स्माइल सागा ईविन्स 7.0 कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान छात्रों ने पढ़ाई के साथ साथ खेल, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 14 डेंटल कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्रों ने ई-पोस्टर, डेंटल टैंक, फायरलेस कुकिंग, फेस पेंटिंग, बास्केटबॉल, फैशन शो, मोनोलॉग समेत 20 से अधिक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाई।

छात्रों ने न्यायालय की कार्यप्रणाली को समझा

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस लॉ कॉलेज की लीगल एड सोसायटी द्वारा शनिवार को जिला न्यायालय गाजियाबाद में शैक्षणिक भ्रमण किया। इसमें एलएलबी, बीए,एलएलबी और बीकॉम.एलएलबी के छात्रों ने न्यायालय की कार्यप्रणाली समझा। इसके बाद छात्रों ने लोक अदालत की लाइव कार्यवाही का अवकोलन किया और वैकल्पिक विवाद निवारम प्रणाली (एडीआर) के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन, डॉ. सचिन गोयल और प्रो. व्यास कुमार यादन सहित लॉ कॉलेज के छात्र मौजूद रहे।

सवा किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली से गांजा लाकर शहर के अलग-अलग हिस्से में उसकी तस्करी करने वाले तस्कर को फेज वन थाने की पुलिस ने रविवार को थानाक्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। सेक्टर दस से दबोचे गए तस्कर की पहचान एटा निवासी विक्रम उर्फ विक्की के रूप में हुई है। वर्तमान में वह गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी में रह रहा है। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ। विक्रम का जब पुलिस ने आपराधिक इतिहास पता किया तो उसके खिलाफ नोएडा के अलग-अलग थानों में तीन केस विभिन्न धाराओं में दर्ज मिले। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं के बारे में बताया। हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। जिले के तीनों जोन के थाना क्षेत्रों में अभियान के तहत महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है तो कहां और कैसे शिकायत करनी है।

अवैध शराब संग तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री करने वाले तस्कर को 110 पव्वे अवैध शराब संग रविवार को थानाक्षेत्र से दबोच लिया। आरोपी की पहचान विनोद कुमार उर्फ कुबेरी के रूप में हुई। वह खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत कई मुकदमे पहले से विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रेनो में चार दिवसीय भारतीय नववर्ष मेला 19 से

ग्रेटर नोएडा। भारतीय नववर्ष संवत-2083 के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मेले का शुभारंभ 19 मार्च को सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में होगा। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा होंगे। मेले का आयोजन भारत नवनिर्माण ट्रस्ट, भारतीय पर्व आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष प्रणीत भाटी ने बताया कि यह कार्यक्रम युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से अवगत कराने के लिए किया जा रहा है। समिति के संयोजक सौरभ बंसल ने बताया कि 19 मार्च को हवन के साथ उमंग उत्सव शुरू होगा। वहीं, 22 मार्च तक रोजाना प्रतियोगिताएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

ग्रेटर नोएडा। छपरौला स्थित ईश्वर चंद इंटर कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ उम्मीद संस्था के संरक्षक ब्रह्म सिंह की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डॉ. देवेन्द्र कुमार नागर और जागेश कुमार ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को मजबूत बनाती है। इस दौरान संस्थापक पवन त्यागी, आभा, बालचंद मौजूद रहे।

घर का ताला तोड़कर जेवर और नगदी चोरी

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में बंद मकान को निशाना बनाकर चोरों ने घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, नगदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। मामले में पुलिस ने शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी है। सूरजपुर निवासी बजरंग बली द्विवेदी ने पुलिस को बताया कि वह आठ जनवरी को अपने परिवार के साथ बाहर घूमने के लिए गए हुए थे। 11 जनवरी को जब वह परिवार के साथ वापस घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित के अनुसार चोर घर में घुसकर सोने व चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती घरेलू सामान चोरी कर ले गए।

हादसे में आईटी कर्मचारी सहित दो घायल

ग्रेटर नोएडा। शहर की विभिन्न कोतवाली क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में आईटी कर्मचारी सहित दो लोग घायल हो गए। आशीष रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि उनका पुत्र दिव्यांशु रंजन श्रीवास्तव बीटा-1 क्षेत्र में रहता है। बीते गुरुवार को बेटे ने अपने घर से सेक्टर-161 स्थित माइंड फोर्स कंपनी में काम जाने के लिए उबर बाइक सेवा बुक की। सेक्टर-146 के पास पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। इसमें बाइक चालक और उनका बेटा घायल हो गया। दिव्यांशु फेलिक्स अस्पताल में वेंटिलेटर पर है। दूसरे मामले में मिगसन अल्टिमो सोसाइटी निवासी अरुण कुमार मिश्र ने सूरजपुर कोतवाली में पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार को वह अपनी कार से अपनी बेटी को लेकर रशाम सेंटर की ओर जा रहे थे।

लोक अदालत में 9 लाख 26 हजार 280 वादों का किया गया सफलता पूर्वक निस्तारण

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 9 लाख 26 हजार 280 वादों का सफलता पूर्वक निस्तारण किया गया। जिसमें समझौता धनराशि 852 करोड़ 99 लाख 99 हजार 9 सौ रुपए रही।

लोक अदालत में प्राधिकरण, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अलावा अन्य संबंधित वादों पर उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रशासनिक न्यायमूर्ति अजीत कुमार तथा जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव सिंह की देखरेख में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिसमें न्याय संगत फैसला सुनाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी त्यागी ने बताया कि जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में दीवानी न्यायालय गौतम बुद्ध नगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 227807 वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व न्यायालय द्वारा 102745 मामले, बैंक द्वारा 280 मामलें व वसूल की गई धनराशि 34630000 है।

एनपीसीएल द्वारा 107 मामलें व समझौता धनराशि 8200000 है। यूपीपीसीएल के 5678 मामलें तथा श्रम न्यायालय द्वारा 1013 मामलें व धनराशि 706309557 है, पुलिस विभाग द्वारा 18478 मामलों का निस्तारण किया गया। बीएसएनएल द्वारा 21 मामलें तथा चिकित्सा विभाग द्वारा 72733 मामलों का निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि यातायात विभाग द्वारा 461213 मामले का निस्तारण हुआ इस प्रकार प्री-लिटिगेशन के 698473 मामलें निस्तारित हुए।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत नोएडा प्राधिकरण द्वारा 5500 मामलें, तथा यमुना प्राधिकरण द्वारा 305 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व तहसीलदार आदि समस्त विभागों से प्राप्त विवरण के अनुसार राजस्व के 102745 वाद निस्तारित हुए। सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 926280 मामलों का निस्तारण हुआ। जिसमें समझौता धनराशि 852 करोड़ 99 लाख 99 हजार 9 सौ रुपए रही।

न्यायमूर्ति ने न्यायालय परिसर में लगे स्टॉलों का अवलोकन कर कराई रक्तचाप की जांच

नोएडा। जिला न्यायालय परिसर गौतमबुद्धनगर के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रशासनिक न्यायाधीश अजित कुमार ने जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव, प्रधान न्यायाधीश रामकेश, पीठासीन अधिकारी लारा सुनील कुमार श्रीवास्तव, पीठासीन अधिकारी वाणिज्यिक न्यायालय जगदीश प्रसाद, पीठासीन अधिकारी वत्सल श्रीवास्तव, अपर जिला जज द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट तथा नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी, अध्यक्ष बार एसोसिएशन मनोज भाटी, सचिव बार एसोसिएशन शोभाराम चंदेला सहित अन्य उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का फीता काटकर उद्घाटन के पश्चात प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं जनपद न्यायाधीश द्वारा जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से संचालित योजनाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उपस्थित नागरिकों एवं लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। न्यायमूर्ति द्वारा न्यायालय परिसर का भ्रमण भी किया गया। इस दौरान उन्होंने परिसर में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। परिसर में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने स्वयं रक्तचाप की जांच कराई तथा उपस्थित लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जिला न्यायालय परिसर में स्थापित ई-सेवा केंद्र/वीसी सेंटर का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन में निर्मित गेट एवं गार्ड रूम का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर न्यायालय से जुड़े अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन करते हुए व्यवस्थाओं की सराहना की और कहा कि इन सुविधाओं से न्यायिक कार्यों के संचालन में और अधिक सुगमता एवं पारदर्शिता आएगी। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, एडिशनल सीपी अजय कुमार, डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी, अशोक कुमार निम, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भजन-कीर्तन करके विरोध जताया

ग्रेटर नोएडा। ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में लोगों का रविवार को भी धरना जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने विरोध जताते हुए भजन-कीर्तन किया। लोगों का कहना है कि प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक बिल्डर प्रबंधन उनकी समस्याओं को समाधान नहीं करता। सोसाइटी में रहने वाले लोगों ने बताया कि परिसर में करीब 2200 परिवार रहते हैं, लेकिन लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रही है। इसके विरोध में सोसाइटी के लोग मुख्य गेट नंबर 1 के पास टेंट लगाकर धरने पर बैठे हैं। धरने के दूसरे दिन सोसाइटी की महिला एकत्रित होकर धरना स्थल पर पहुंची, जहां भजन-कीर्तन करके विरोध जताया। सोसाइटी में रहने वाली नीता ने बताया कि प्रबंधन द्वारा 40 प्रतिशत रखरखाव शुल्क में वृद्धि करने के बाद भी सुविधाओं में कटौती की जा रही। करीब 13 दिन तक जारी रहेगा। नवरात्रि के अंतिम दिन इसे समाप्त किया जाएगा। वहीं, शकुंतला ने बताया कि लोग आए दिन सोसाइटी की लिफ्ट में फंस जाते हैं, जिससे उसका इस्तेमाल करने में डर लगता है। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था भी बेकार है।

ग्रेनो के आईटीबीपी गोलचक्कर पर जाम से राहत मिलेगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पाई-वन आईटीबीपी गोलचक्कर का आकार छोटा करने का काम शुरू कर दिया गया है। साथ ही चारों डिवाइडर की लंबाई भी कम की जा रही है। यह काम अगले छह माह में पूरा हो जाएगा। इससे गोलचक्कर पर जाम की समस्या दूर हो जाएगी।

सुबह व शाम के वक्त व्यस्त घंटों में जाम लगने लगा है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक गोलचक्कर की चौड़ाई परिधि में यानी चारों तरफ 2.5 मीटर और चारों डिवाइडर की लंबाई 2.7 मीटर कम की जा रही है। गोलचक्कर के पास सड़क चौड़ी होने से ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहेगा। नया रूप देकर सौंदर्यीकरण का भी कार्य किया जाएगा। वहीं सेक्टर बीटा-1 रामपुर गोलचक्कर का आकार भी छोटा कर नया रूप दिया जाएगा। दरअसल शहरी क्षेत्र का विस्तार और

> "आईटीबीपी गोलचक्कर पर ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। गोलचक्कर का आकार कम किया जा रहा है। डिवाइडर की लंबाई भी कम की जा रही है। सड़क चौड़ी होने से ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहेगा। आसपास की सर्विस रोड को भी दुरुस्त किया जाएगा। सर्वेक्षण कर जाम वाले स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं।
>
> *- सुनील कुमार सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा*

बसावट बढ़ने से सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। प्रमुख गोलचक्करों आईटीबीपी सेक्टर पाई-1, रायन स्कूल सेक्टर बीटा-1, एलजी चौक, लेबर चौक डेल्टा-1, रामपुर सेक्टर बीटा-1, अमृतपुरम आदि पर सुबह और शाम व्यस्त घंटों में जाम लगने लगा है। इससे स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट चालू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्राधिकरण सड़कों को चौड़ी करने के साथ गोलचक्करों का आकार भी कम कर रहा है। योजना के तहत ग्रेटर नोएडा ईस्ट क्षेत्र में आईटीबीपी गोलचक्कर का आकार कम किए जाने का काम शुरू कर दिया गया है।

सुगम आवागमन के लिए सेक्टर पाई-वन आईटीबीपी से विप्रो गोलचक्कर तक सर्विस रोड का निर्माण भी जल्द किया जाएगा। इससे गोदरेज सहित आसपास की अन्य सोसाइटियों व सेक्टरों में आना- जाना आसान हो जाएगा। निविदा जारी की जा चुकी है। आईटीबीपी से विप्रो गोलचक्कर तक लगभग दो किलोमीटर लंबी सर्विस रोड बनाई जाएगी। प्रथम चरण में गोदरेज सोसाइटी की तरफ की सड़क बनाई जाएगी। इस पर लगभग 5.23 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। पूर्व में कराए गए सर्वेक्षण में पाया गया था कि कई औद्योगिक व आवासीय सेक्टरों के अलावा मुख्य सड़कों के किनारे अब तक सर्विस रोड का निर्माण नहीं किया गया है, जबकि मास्टर प्लान में सर्विस रोड के लिए जगह आरक्षित है। इस पर काम शुरू कर दिया गया है।

साइकिलथॉन का लोगों में उत्साह दिखा

2700 से अधिक साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रविवार को एचसीएल साइकिलथॉन का आयोजन किया गया। इसमें 27 सौ से अधिक साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया। बारिश होने के बाद भी महिला और पुरुष प्रतिभागियों में उत्साह देखा गया। यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क पर आयोजित की गई।

स्पर्धा में पेशेवर सवारों के लिए कई वर्गों में दौड़ आयोजित की गई। विजेताओं को डीसीपी नोएडा सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी, एचसीएल के सुंदर महालिंगम और साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनींदर सिंह ने पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

एचसीएल समूह के सुंदर महालिंगम ने कहा कि हर साल इस स्पर्धा के प्रति बढ़ता हुआ उत्साह देखकर बेहद खुशी होती है। अपने शुरुआती से अब तक यह पहल एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुकी है। इसमें देशभर के शहरों से 18 हजार से अधिक प्रतिभागी जुड़ चुके हैं। साइकिलिंग तेजी से एक ऐसी जीवनशैली बन रही है, जो स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना पर आधारित है।

समाजवादी समानता भाईचारा रैली को लेकर सपाइयों ने भरी हुंकार

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के दादरी में आगामी 29 मार्च को आयोजित होने वाली समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की समाजवादी समानता भाईचारा रैली की तैयारी को लेकर समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव श्याम सिंह भाटी, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रमेंद्र सिंह भाटी के संयोजन में गांव चिटेहरा में रविवार को कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर प्रमेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि 29 मार्च को दादरी में होने वाली रैली पश्चिमी यूपी में राजनीतिक की दशा और दिशा बदलने का काम करेगी। इस रैली में लाखों की संख्या में लोग शामिल होंगे। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार की तानाशाही और मनमानी से जनता प्रताड़ति है और वह उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनना चाहती है। इस रैली के बाद उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की लहर बहुत तेजी से चलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सिंह यादव ने की।

इस मौके पर फकीरचंद नागर, नरेंद्र नागर, उपदेश नागर, प्रशांत भाटी, मोहित नागर, अकबर खान, राहुल आर्यन, हारून सैफी, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, प्रीत भाटी, सुनील भाटी, विक्रांत भाटी, हरेंद्र लाला सहित अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली में सुबह हल्की बारिश, एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रविवार सुबह हल्की बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने सुबह साढ़े आठ बजे तक पांच मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक सफदरजंग और लोधी रोड वेधशाला में 0.8-0.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि पालम में 0.4 मिलीमीटर बारिश हुई। आयानगर में 2.6 मिलीमीटर और सभी केंद्रों में से पीतमपुरा में सबसे अधिक 3.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त मयूर विहार में 1.0 मिलीमीटर और जनकपुरी में 0.5 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि रिज वेधशाला में नाममात्र की वर्षा हुई। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.1 डिग्री अधिक है, जबकि अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 190 रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मिध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

मयूर विहार फेस-3 में संदिग्ध हालात में ढाई साल की बच्ची की मौत, पुलिस जांच में जुटी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-3 स्थित आशीर्वाद अपार्टमेंट में रविवार दोपहर एक ढाई साल की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गाजीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दोपहर करीब 2:19 बजे पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें बताया गया कि आशीर्वाद अपार्टमेंट के एक फ्लैट से रासायनिक गंध (केमिकल स्मेल) आ रही है और कमरे में मौजूद दो बच्चे बेहोश हो गए हैं।दोनों बच्चों को तुरंत सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल, नोएडा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 2.5 वर्षीय सन्ना खातून को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसकी बड़ी बहन राफिया खातून (7.5 वर्ष) की हालत स्थिर बताई जा रही है।सूचना मिलने पर गाजीपुर थाना पुलिस के साथ क्राइम टीम और डीडीएमए की टीम भी मौके पर पहुंची और फ्लैट का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में फिलहाल किसी तरह की साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं।बच्चियों की मां ने पुलिस को बताया कि दोनों बच्चे कमरे में खेल रहे थे, इसी दौरान वे एक-दूसरे पर गिर गए और अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। घटना के समय बच्चों के पिता, जो पेशे से दर्जी हैं, अपनी दुकान

पर मौजूद थे।इस दौरान मौके पर मौजूद सिंधु नामक व्यक्ति ने बताया कि बच्ची की मां उसे गोद में लेकर नीचे इधर-उधर मदद के लिए भटक रही थी। उन्होंने तुरंत बच्ची और उसकी मां को अपनी निजी कार में बैठाकर मेट्रो अस्पताल नोएडा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मामले की जांच के लिए एफएसएल रोहिणी से केमिकल एक्सपर्ट को बुलाया गया है, ताकि किसी संभावित रासायनिक पदार्थ के रिसाव की जांच की जा सके।फिलहाल पुलिस ने इनक्वेस्ट की कार्यवाही शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबरें

पालम डकैती कांड का फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की (एनडीआर) टीम ने पालम गांव में होटल में हुई डकैती और तोड़फोड़ के मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान महेश उर्फ गंजा (26) के रूप में हुई है, जो पालम के राजनगर इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसे 13 मार्च को गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने रविवार को बताया कि यह मामला 29 सितंबर 2025 को पालम गांव थाने में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि 28 सितंबर की रात करीब पांच से छह नकाबपोश बदमाश लोहे की रॉड लेकर उसके होटल में घुस आए थे। आरोपितों ने होटल के शीशे तोड़ दिए, फर्नीचर व अन्य सामान में तोड़फोड़ की और कर्मचारियों के साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाश होटल के काउंटर से करीब दो लाख रुपये लूटकर फरार हो गए थे। वारदात के दौरान होटल कर्मचारी प्रियांशु घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। बदमाश जाते समय होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ ले गए थे। मामले की जांच के दौरान स्थानीय पुलिस ने पांच आरोपित ऋतिक, मोहम्मद लडका, प्रकाश उर्फ चीनू, राकेश और मोहम्मद इब्रार को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, जबकि महेश उर्फ गंजा घटना के बाद से फरार चल रहा था।

दिल्ली पुलिस ने बावना हत्याकांड में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। बाहरी उत्तर दिल्ली के बवाना इलाके में हत्या के एक मामले में वांछित 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी पूठ खुर्द गांव निवासी योगी उर्फ देवराज डबास ने अपने साथियों के साथ मिलकर आठ मार्च को भूपेंद्र उर्फ भोलू (24) की राज वाटिका के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली थी कि पूठ खुर्द इलाके में राज वाटिका के पास एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक स्कूटर के पास गोली लगने से घायल व्यक्ति बेहोश अवस्था में पड़ा मिला। घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक आरोपी की गतिविधियों की जानकारी के आधार पर टीम ने जाल बिछाकर शनिवार को नजफगढ़ क्षेत्र के छवाला बस अड्डे से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियों निखिल, सुमित और एक नाबालिग के साथ मिलकर राज वाटिका के पास भूपेंद्र को मारा था। पुलिस के अनुसार संपत्ति विवाद से जुड़ी पुरानी रंजिश के चलते योगी और निखिल ने कथित तौर पर भूपेंद्र की हत्या की। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल नाबालिग को पहले ही पकड़ लिया गया है।

नशे के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत बनाने के लिए दिल्ली पुलिस का प्रशिक्षण सत्र

नई दिल्ली। नशे के खिलाफ अभियान को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने जांच अधिकारियों के लिए विशेष संयुक्त प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। यह प्रशिक्षण 14 मार्च को पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। जिसमें कुल 611 अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण सत्र में 209 अधिकारी ऑडिटोरियम में उपस्थित रहे, जबकि 402 अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रतिभागियों में उप निरीक्षक से लेकर सहायक पुलिस आयुक्त स्तर तक के अधिकारी, ड्यूटी ऑफिसर और एमएचसी (एम) शामिल थे। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी

के अनुसार दिल्ली पुलिस, विशेष रूप से क्राइम ब्रांच और एएनटीएफ नशे के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस पॉलिसी" के तहत सख्त कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही जागरूकता, पुनर्वास और सामुदायिक सहभागिता जैसे पहलुओं पर भी बहुआयामी रणनीति के तहत काम किया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामलों की मजबूत जांच और ठोस साक्ष्यों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। खास तौर पर वाणिज्यिक मात्रा से जुड़े मामलों में वित्तीय जांच पर जोर दिया गया, ताकि मादक पदार्थ तस्करों की आर्थिक गतिविधियों पर प्रभावी प्रहार किया जा सके। सत्र में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अधिनियम के तहत अधिक से अधिक निरोधात्मक कार्रवाई करने पर भी बल दिया गया। इसके अलावा एनसीबी द्वारा संचालित हेल्पलाइन 1933 के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से नागरिक गोपनीय रूप से नशे से संबंधित सूचनाएं दे सकते हैं और सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव में हुई शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज बूढ़पुर स्थित 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव तथा संस्था के रजत जयंती समारोह में सम्मिलित हुई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पिछले

26 वर्षों से यह संस्थान बेसहारा, निराश्रित और अस्वस्थ लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है। वर्तमान में इसके 70 से अधिक केंद्र भारत में संचालित हैं और विदेशों में भी इसकी सेवाएं निरंतर विस्तारित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के दर्शन को ध्येय मानते हुए हमारी सरकार भी दिल्ली के प्रत्येक जरूरतमंद तक सम्मान, सुरक्षा और सहायता पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू , सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक राजकरण खत्री तथा संस्था से जुड़े कई लोग उपस्थित रहे।

अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक दवाएं बरामद की हैं। बरामद दवाओं में करीब 59,925 अल्प्राजोलम टैबलेट और 2000 बुप्रेनोर्फिन इंजेक्शन शामिल हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह कटारिया के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम को सात मार्च को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में संगठित अपराध से जुड़ी जानकारी जुटा रही थी। इसी दौरान शास्त्री पार्क स्थित बाबा श्यामगिरी मंदिर के पास एक मुखबिर ने सूचना दी कि सोनिया विहार निवासी विपिन कुमार पाल नामक व्यक्ति अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल जैसी प्रतिबंधित दवाओं की अवैध सप्लाई करता है और वह एक खेप पंजाब के पटियाला निवासी सलमान खान को कश्मीरी गेट के पास युधिष्ठिर सेतु के नजदीक देने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर जाल बिछाया। रात करीब 8:25 बजे विपिन कुमार पाल एक प्लास्टिक की बोरी के साथ

फुटपाथ पर खड़ा दिखाई दिया। कुछ देर बाद ऑटो से सलमान खान वहां पहुंचा। जैसे ही विपिन ने बोरी सलमान को सौंपी, पुलिस टीम ने दोनों को दबोच लिया। जांच में बोरी के अंदर रखे कार्टन से 0.5 एमजी की 100 डिब्बियों में कुल 59,925 अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद हुईं, जिनका वजन करीब 8.09 किलोग्राम पाया गया। आरोपियों के पास इन दवाओं से संबंधित कोई वैध बिल या पर्ची नहीं थी। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम और ड्रग इंस्पेक्टरों ने इसे साइकोट्रोपिक ड्रग्स की श्रेणी में पुष्टि की। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि यह खेप मुजफ्फरनगर निवासी अब्दुल रहमान उर्फ रेहान के जरिए मंगाई गई थी और इसे पंजाब के बरनाला में एक सहयोगी को पहुंचाया जाना था। इसके बाद 13 मार्च को पुलिस ने मुजफ्फरनगर में छापेमारी कर अब्दुल रहमान और उसके साथी रवि गर्ग को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के किराए के कमरे से रेक्सोजेसिक (बुप्रेनोर्फिन) के 2000 इंजेक्शन बरामद किए, जिनका कुल वजन करीब 8 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई से दिल्ली, उप्र और पंजाब में सक्रिय एक ड्रग सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ है। मामले में आगे की जांच जारी है।

'संडेज ऑन साइकिल्स' कार्यक्रम में दिल्लीवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने आज फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत नागरिकों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने की दिशा में प्रेरित करने के लिए कनॉट प्लेस में 'संडेज़ ऑन साइकिल्स' फिटनेस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राहगिरी फाउंडेशन तथा इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4सी) के सहयोग से किया गया।

इसका उद्देश्य नियमित शारीरिक गतिविधि के महत्व को बढ़ावा देना तथा साइक्लिंग को फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने का एक सरल एवं प्रभावी माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 'संडेज ऑन साइकिल्स' एक बड़ा जन आंदोलन बन सकता है, जो न केवल लोगों को फिट रहने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि शहर को पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी बेहतर बनाएगा। सूद

ने यह भी कहा कि पिंक इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत तथा दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने के उद्देश्य से केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 17 दिसंबर 2024 को दिल्ली में फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव का शुभारंभ किया था। यह साइक्लिंग अभियान अब एक नियमित जन-अभियान का रूप ले चुका है, जिसके अंतर्गत पूरे देश में 'संडेज ऑन साइकिल्स' का आयोजन किया जा रहा है। अब तक देश भर में 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर इसका आयोजन हो चुका है, जिसमें लगभग 27 लाख साइक्लिस्टों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई है। उन्होंने आगे कहा की इस अभियान का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में भी किया गया था। प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे के विरुद्ध दिए गए आह्वान के मद्देनजर यह अत्यंत आवश्यक है कि संतुलित शारीरिक गतिविधि को हमारी दैनिक फिटनेस दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। नियमित व्यायाम और खेलकूद के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़े।

किसी अन्य जज को केस ट्रांसफर करने संबंधी केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से बरी किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिकाओं को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट से दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर करने की दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मांग को नामंजूर कर दिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच 16 मार्च को सुनवाई करने वाली है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि वर्तमान में जो रोस्टर है उसी के मुताबिक ये मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के समक्ष लिस्ट किया गया है। अगर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा खुद सुनवाई से हटती हैं तो इस पर विचार किया जाएगा लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इस मामले को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से दूसरे बेंच के पास ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। केजरीवाल ने 11 मार्च को चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मांग की थी कि सीबीआई और ईडी की याचिकाओं को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट से दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। केजरीवाल ने आशंका जताई थी कि अगर इस मामले पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच सुनवाई करती है तो उनके मामले की निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं है। केजरीवाल ने पत्र में कहा था कि 9 मार्च को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने बिना उनका पक्ष सुने आदेश पारित कर दिया और ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई वजह नहीं बताई गयी थी। पत्र में कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप मुक्त करने के आदेश पर रोक असाधारण परिस्थितियों में ही लिया जाता है लेकिन 9 मार्च के आदेश में ऐसा कुछ नहीं बताया गया है कि वे असाधारण परिस्थितियां क्या थीं। केजरीवाल ने कहा था कि सीबीआई की ओर से दायर याचिका में ईडी के मामले में भी आदेश पारित कर दिया गया जबकि उसमें ईडी पक्षकार भी नहीं था। केजरीवाल ने कहा था कि आमतौर पर इस तरह की याचिकाओं में जवाब दाखिल करने के लिए कम-से-कम चार से पांच हफ्ते का समय दिया जाता है लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया।

दिल्ली मेट्रो में 2025 में हुई 235.8 करोड़ यात्राएं

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन मानी जाने वाली दिल्ली मेट्रो ने वर्ष 2025 में यात्री संख्या का नया रिकॉर्ड बनाया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अनुसार पूरे वर्ष में करीब 235.8 करोड़ यात्री यात्राएं दर्ज की गईं, जो वर्ष 2024 की तुलना में अधिक हैं। औसतन 2025 में प्रतिदिन करीब 64.60 लाख यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया। हाल ही में पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन के दो नए सेक्शन के उद्घाटन के साथ दिल्ली मेट्रो भारत की सबसे बड़ी परिचालित मेट्रो प्रणाली बनी हुई है। देश के 26 शहरों में अब कुल 1143 किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसमें प्रतिदिन करीब 1.15 करोड़ यात्राएं होती हैं। इनमें से 55 प्रतिशत

से अधिक यात्राएं अकेले दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर होती हैं। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली मेट्रो ने राजधानी में शहरी परिवहन को नई दिशा दी है। इससे यात्रा समय कम हुआ है, सड़क जाम में कमी आई है और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिला है। दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई लगभग 416 किलोमीटर है, जिसमें 303 स्टेशन शामिल हैं। इसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो की करीब 29 किलोमीटर लंबी लाइन और गुरुग्राम की रैपिड मेट्रो की करीब 13 किलोमीटर लंबी लाइन भी शामिल है, जो दिल्ली को एनसीआर के प्रमुख शहरों से जोड़ती हैं। डीएमआरसी के मुताबिक दिल्ली मेट्रो में फिलहाल 343 ट्रेनें (2368 कोच) संचालित हो रही हैं। प्रतिदिन करीब 4508 ट्रेन ट्रिप्स के जरिए लगभग 1.40 लाख ट्रेन किलोमीटर की दूरी तय की जाती है। मेट्रो की समयबद्धता भी करीब 99.9 प्रतिशत बनी हुई है, जो इसे दुनिया की सबसे भरोसेमंद मेट्रो प्रणालियों में शामिल करती है। पिछले दो वर्षों में मेट्रो यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। वर्ष 2024 में कुल 223.5 करोड़ यात्राएं दर्ज की गई थीं, जबकि 2025 में यह बढ़कर 235.8 करोड़ हो गईं। इसी दौरान कई बार दैनिक यात्री संख्या का रिकॉर्ड भी टूटा। 18 नवंबर 2024 को 78.67 लाख यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया था, जबकि 8 अगस्त 2025 को एक दिन में 81.87 लाख यात्रियों के साथ नया रिकॉर्ड बना। दिल्ली मेट्रो देश के सबसे बड़े ड्राइवरलेस मेट्रो नेटवर्क का संचालन भी कर रही है। फिलहाल करीब 121 किलोमीटर लंबाई पर ड्राइवरलेस ट्रेनें चल रही हैं, जिनमें पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन शामिल हैं। इन लाइनों पर कुल 80 ड्राइवरलेस ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। डीएमआरसी के अनुसार फेज-4 के तहत कई नए कॉरिडोरों का निर्माण भी जारी है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 52 नई ट्रेनें खरीदी जा रही हैं, जिनमें से 18 ट्रेनें पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं।

संपादकीय

ईंधन संकट आधा फसाना आधी हकीकत

पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो भारत को कच्चे तेल की कमी के मुकाबले लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई में बाधा से खतरा हो सकता है। इस स्थिति में होर्मुज स्ट्रेट देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक प्रमुख प्रेशर पॉइंट के तौर पर उभर रहा है। इसकी वजह यह है कि देश के पास गैस आयात के विकल्प सीमित हैं। जबकि कच्चा तेल के आयात के कई विकल्प मौजूद हैं। ऊर्जा आपूर्ति के लिए हम होर्मुज स्ट्रेट पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। गैस आयात का लगभग 55 से 65 फीसदी हिस्सा जल मार्ग से ही आता है। अकेले कतर से ही भारत की गैस आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा आता है। ईरान अमेरिका युद्ध के दौरान स्थिति तब बिगड़ी जब होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी नौसेना ने बारूदी सुरंगें बिछाना शुरू कर दिया। इससे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी ट्रांजिट रूटों में से एक के लगभग पूरी तरह बंद हो जाने का डर पैदा हो गया। आमतौर पर तेल और एलएनजी टैंकरों सहित लगभग 150 जलयान इस स्ट्रेट से प्रतिदिन गुजरते हैं। बारूदी सुरंगों के जोखिम की वजह से इन जलयानों की आवाजाही रुक सकती है। युद्ध की स्थिति में बीमा कंपनियां संघर्ष क्षेत्र में प्रवेश करने वाले टैंकरों का बीमा करने से साफ इंकार कर देती हैं। भारत के घरेलू बाजार में फिलहाल संकट के शुरुआती संकेत दिखाई देने लगे हैं। गैस की कमी का असर कई उद्योगों पर भी पड़ने लगा है। खबरों के अनुसार, शहरी गैस वितरण कंपनियों ने औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को होने वाली गैस सप्लाई में कटौती कर दी है। गौरतलब है कि एलपीजी सप्लाई में रुकावट की वजह से कई इलाकों में बुकिंग में पहले ही देरी हो रही है। सप्लाई की कमी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में घरेलू सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी हैं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया के समक्ष खुलासा किया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर कोई संकट नहीं है। उन्होंने कहा कि हम पहले 27 देशों से कच्चा तेल आयात करते थे अब हमने कच्चे तेल के आयात के लिए 40 देशों के साथ समझौते किए हैं। हमने गैस की आपूर्ति बाधित हुई है, लेकिन सरकार ने आपूर्ति जारी रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। देखने वाली बात है कि सरकारी सख्ती का क्या सार्थक नतीजा सामने आता है। या कालाबाजारियों का वर्चस्व कायम हो जाएगा।

वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की आत्मनिर्भरता

भारत के तेल आयात को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले अंतरराष्ट्रीय दबाव इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि आर्थिक संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति कैसे वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक हथियार के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं! जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है। एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है। स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरुआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज के वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता किसी भी राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की स्वतंत्रता का आधार बन चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे विकास की गति में तेज दौड़ते राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता का प्रश्न उत्पादन बढ़ाने या आयात कम करने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है, बाहरी निर्भरताओं को कम करना और बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा के बीच अपने राष्ट्रीय हितों का संतुलित प्रबंधन करना।

भारत के तेल आयात को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले अंतरराष्ट्रीय दबाव इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि आर्थिक संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति कैसे वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक हथियार के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं! जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है। एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है। स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरुआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी। इनमें चार क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं; भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा। इन चारों क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न संकटों ने भारत के नीति-निर्माताओं को यह एहसास कराया कि यदि किसी राष्ट्र को अपनी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखनी है, तब उस स्थिति में उसे इन मूलभूत क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करनी ही होगी।

इस संदर्भ में कहना होगा कि 1957-58 का विदेशी मुद्रा संकट स्वतंत्र भारत के लिए पहला बड़ा आर्थिक झटका था। उस समय आयात बढ़ने और निर्यात अपेक्षाकृत कम होने के कारण विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट गया। परिणामस्वरूप भारत को आयात पर नियंत्रण लगाने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की सहायता लेने के लिए विवश होना पड़ा। इस संकट ने नीति-निर्माताओं को यह समझा दिया कि यदि किसी देश की आर्थिक संरचना बाहरी संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हो, तब वह आर्थिक दबावों के सामने कमजोर पड़ सकती है। इसके कुछ वर्षों बाद 1962 में चीन के साथ युद्ध ने भारत की रक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कमजोरी को उजागर किया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि भारत रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी देशों पर निर्भर था। इस अनुभव ने देश को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि रक्षा उत्पादन में 'स्वदेशी क्षमता' का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।

इसी प्रकार 1965-67 के भीषण सूखे ने भारत की खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल दिया। उस समय देश को अपनी जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर खाद्यान्न आयात करना पड़ा। यह स्थिति भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि किसी भी देश के लिए 'भोजन' जैसी मूलभूत आवश्यकता में बाहरी निर्भरता उसकी संप्रभुता को कमजोर कर सकती है। यही वह दौर था जब भारत ने कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से हरित क्रांति की दिशा में कदम बढ़ाया, जिसने अंततः देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। ऊर्जा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आईं। 1990 के खाड़ी युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि हुई। चूँकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए इस मूल्य वृद्धि का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा। परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन का गंभीर संकट उत्पन्न हुआ और भारत को आर्थिक सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाने पड़े। इस अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया कि ऊर्जा जैसे रणनीतिक संसाधनों में बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। यहां समझने के लिए यह भी है कि भारतीय चिंतन में 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भरता' का विचार शुरू से ही रहता आया है। प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में भी संसाधनों की स्वतंत्रता को राज्य की शक्ति का आधार माना गया है। 'अर्थशास्त्र' में महान राष्ट्रभक्त आचार्य 'कौटिल्य' ने राज्य की समृद्धि और सुरक्षा को उसके आर्थिक संसाधनों और उत्पादन क्षमता से जोड़ा है। उनके अनुसार,किसी भी राज्य की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपने संसाधनों का प्रबंधन किस प्रकार करता है और बाहरी शक्तियों के प्रभाव से स्वयं को कितना सुरक्षित रख पाता है।

आधुनिक भारत में इस विचार को सबसे प्रभावी रूप से लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, पं. मदनमोहन मालवीय, माखनलाल चतुर्वेदी समेत महात्मा गांधी ने प्रस्तुत किया। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'हिंद स्वराज' में गांधी ने स्वदेशी की अवधारणा को आर्थिक नीति से कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। उनके शब्दों में, "स्वदेशी का अर्थ है अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपने आस-पास उपलब्ध संसाधनों और श्रम का उपयोग करना।" गांधी के लिए स्वदेशी का उद्देश्य विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक सीमित न रहते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण था जिसमें समाज की आर्थिक संरचना बाहरी शक्तियों के नियंत्रण से मुक्त हो सके।

इसी प्रकार दादाभाई नौरोजी ने अपनी प्रसिद्ध कृति "पावर्टी ऐंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया" में यह तर्क दिया था कि 'भारत की गरीबी का एक प्रमुख कारण उपनिवेशवादी शासन के कारण उत्पन्न आर्थिक निर्भरता थी।' उनके अनुसार 'जब किसी देश के संसाधनों और व्यापारिक गतिविधियों पर बाहरी शक्तियों का नियंत्रण हो जाता है, तब उस देश की आर्थिक प्रगति बाधित हो जाती है।' निश्चित तौर पर कहना होगा कि यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी आर्थिक निर्भरता कई बार राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसे आगे हम देखते भी हैं कि पं. दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगड़ी, नानाजी देशमुख जैसे विचारकों ने बहुत व्यवहारिक तरीके से भारतीय समाज के सामने रखा है। वस्तुतः वर्तमान समय में भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का अधिकांश भाग तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जब ऊर्जा व्यापार को कूटनीतिक दबाव के साधन के रूप में प्रयोग किया गया। कुछ अवसरों पर अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान जैसे देशों से तेल आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाया, जिससे भारत को भी अपने ऊर्जा आयात के निर्णयों में सावधानी बरतनी पड़ी। ऐसी परिस्थितियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि ऊर्जा निर्भरता सिर्फ आर्थिक विषय तक सीमित नहीं है, यह विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता से भी जुड़ा हुआ है, इसीलिए आज आत्मनिर्भरता का अर्थ है, स्वदेशी क्षमता का विकास करते हुए बाहरी निर्भरताओं को इस प्रकार संतुलित करना कि कोई भी शक्ति भारत की नीति-निर्माण की स्वतंत्रता को प्रभावित न कर सके।

ईरान पर हमला: साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

राम पुनियानी

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने लड़ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसेनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसेनिक मारे गए और जहाज़ डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया। इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ़ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है।

अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आतंरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छेड़ दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पेड़-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी।

वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की 'स्वतंत्र विश्व' के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है। ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नज़रें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के ज़रिये ईरान के तेल पर अपना कब्ज़ा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा। इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्ज़े वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के ज़रिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र ख़त्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी ख़त्म हो गईं।

अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफ़ग़ानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करोड़ डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफ़ग़ानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए।

ईश्वर की हर एक रचना सुंदर है

मनुष्य को जीवन में जितना कुछ मिला है, वह अपार और अमूल्य है। ईश्वर ने उसे जो शरीर दिया है, वह सृष्टि की सबसे बहुमूल्य रचना है। अपने शरीर के कारण वह पूर्णतः आत्म-निर्भर है। मनुष्य कुछ भी देख, सुन व समझ सकता है और कर सकता है। यह विशेषता किसी अन्य जीव में नहीं है। इस शरीर व इसमें स्थित बुद्धि और चेतना के कारण ही मनुष्य पूरी सृष्टि को अपने आधिपत्य में लेने में सफल रहा है ताकि उसका मनोनुकूल उपयोग कर सके। ईश्वर की हर एक रचना सुंदर है। जब मनुष्य अपने शरीर और क्षमताओं का प्रयोग सृजन के लिए करता है, तो सृष्टि का सौंदर्य बढ़ता है। इससे अपने शरीर व शक्तियों का सदुपयोग ही नहीं ईश्वर के प्रति आभार भी व्यक्त होता है। संसार में कितने ही संत, मुनि, सुधारक और विद्वान हुए, जिन्होंने अपने योगदान से सभ्यता को प्रकाशित किया और संसार को स्वस्थ आदर्श दिए, उनके बताए मार्ग पर चलना भी उसी के समान अमूल्य योगदान है। बहुत से लोग स्वार्थ, अनाचार, ईर्ष्या, निंदा, ध्वंस की राह पर चल रहे हैं। यह ईश्वर के प्रति विश्वासघात और अकृतज्ञता है। ईश्वर प्रदत्त शक्तियां सृजन के लिए हैं, विनाश के लिए नहीं। सौंदर्य के लिए हैं, वितृष्णा के लिए नहीं। विनाश और वितृष्णा के भाव के कारण ही लोग ईश्वर के प्रति शिकायतों और उलाहनों से भरे नजर आते हैं। उन्हें ईश्वर की उदारता और दयालुता नहीं दिखती। शरीर को संभालने के लिए ही ईश्वर ने धरती, सूर्य, चंद्रमा, जल, वायु, वनस्पतियां, अग्नि और आकाश जैसे अनमोल उपहार भी दिए ताकि मनुष्य सुखद जीवन जी सके। आज विपरीत सोच ने मनुष्य को भ्रमित कर दिया है। मनुष्य को अनमोल लगते हैं आलीशान मकान, कार, सुख सुविधा के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, रत्न, जवाहर और बैंक बैलेंस आदि। आनंद उसे ईश्वर के उपहारों में नहीं सैर-सपाटों, पार्टियों और दावतों में आता है, जिसका कोई अंत नहीं है। लालसाएं सदैव कम पड़ती हैं और अपूर्ण ही रहती हैं। इस कारण जीवन भर मनुष्य बेचैन और अतृप्त रहता है। यदि ईश्वर के उपहार न होते तो जीवन कैसा होता। जल, वायु, और अग्नि के बिना कैसा आनंद होता? वनस्पतियों के बिना कैसा स्वाद और कैसी तृप्ति होती। धन-दौलत, घर, कारें और हीरे-जवाहरात कम पड़ जाते हैं, किंतु जल, वायु और अग्नि आदि का भंडार अक्षय है। धरती का अपार विस्तार अकल्पनीय है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1527 - बाबर ने खानवा के युद्ध में राणा सांगा को हराया।
1693 - इंदौर के होल्कर वंश का प्रवर्तक मल्हारराव होल्कर का जन्म हुआ।
1846 - प्रथम अंग्रेज-सिख युद्ध के फलस्वरूप अमृतसर संधि हुई।
1867- महान शल्य चिकित्सक जोसेफ लिस्टर की खोज एंटीसेप्टिक सर्जरी का प्रकाशन हुआ।
1901 - स्वतन्त्रता सेनानी पोट्टि श्रीरामुलु का जन्म हुआ।
1910 - भारत और इंग्लैंड, दोनों के लिए खेलने वाले एकमात्र क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी का जन्म हुआ।
1939 - जर्मनी ने चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा किया।
1966 - अमेरिका ने मानवयुक्त अंतरिक्ष यान जेमिनी-आठ प्रक्षेपित किया।
1968 - वियतनाम युद्ध के समय अमेरिकी सेनाओं ने सैकड़ों निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया।
1998 - चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन अगले कार्यकाल के लिए पुनः राष्ट्रपति निर्वाचित।
2003 - ग्रीन स्मिथ दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट कप्तान बने।
2004 - रूस में नौ मंजिला इमारत में विस्फोट, 21 मरे।
2005 - संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफ़ी अन्नान ने सुपाचयी पानिचपकड़ी को अंकटाड का नया अध्यक्ष नामांकित किया।
2006 - चुनाव के तीन महिने बाद ईराक की नयी संसद ने शपथ ग्रहण की।
2007 - एक ओवर में छह छक्के लगाकर दक्षिण अफ्रीका के हर्शले गिब्स ने विश्व रिकार्ड बनाया।
2008 - मुद्रास्फीति विगत नौ महीने के उच्चतम स्तर 5.11 फीसदी पर पहुंची।
2008 - परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान में सजा-ए-मौत पा चुके भारतीय नागरिक सबरजीत सिंह के डेथ वारंट पर दस्तखत किये।
2008 - वेन जियावाओ को दोबारा चीन का प्रधानमंत्री चुना गया।
2009 - विदेश मंत्रालय में विशेष सचिव सरत सब्बरवाल पाक में भारत के नये उच्चायुक्त नियुक्त हुए।
2009 - शिवालिक वर्ग के तीन स्टाल्थ फ्रिगेटो में अमेरिकी इंजनों को लगाने पर अमेरिकी प्रशासन ने रोक लगाई।

फिल्म 'शतक' है संघ की मौन साधना का दस्तावेज

- विवेक कुमार पाठक

भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में कुछ संस्थाएँ ऐसी हैं जिनकी भूमिका विचार, संस्कार और समाज निर्माण की दीर्घ परंपरा तक व्याप्त है। ऐसा ही एक संगठन है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसकी स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में विजयादशमी के दिन की थी। सौ वर्षों की इस यात्रा को दृश्य माध्यम में समेटने का प्रयास करती फिल्म "शतक" एक विचार-यात्रा है। यह फिल्म उस संगठन की कहानी कहती है जो सामाजिक समरसता, राष्ट्रभाव और सेवा के संस्कारों को केंद्र में रखकर कार्य करता रहा है।

फिल्म का मूल स्वर संघ की उस मौन साधना को समझाने का है जिसे अक्सर सामान्य जन सतही तौर पर जानते हैं। संघ का दैनिक जीवन, शाखाओं में गूंजने वाला प्रार्थना गीत, भगवा ध्वज को गुरु मानने की परंपरा और स्वयंसेवकों के सेवा कार्य इन सबको फिल्म एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती है। विशेष रूप से यह दिखाया गया है कि कैसे संगठन समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का प्रयास करता रहा है।

फिल्म की शुरुआत उस ऐतिहासिक दौर से होती है जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। उस समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों ने युवा डॉक्टर हेडगेवार को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उन्होंने समाज में बिखराव, आत्मविश्वास की कमी और सांस्कृतिक अस्मिता के संकट को महसूस किया। यही अनुभव आगे चलकर संघ की स्थापना के प्रेरक बने। "शतक" में हेडगेवार के जीवन को बाल्यकाल से लेकर उनके प्रौढ़ चिंतन तक विस्तार से दिखाया गया है, उनकी राष्ट्रभक्ति, संगठन क्षमता और समाज के लिए उनकी दूरदर्शी सोच फिल्म का प्रमुख आकर्षण है।

फिल्म यह भी बताती है कि प्रारंभिक वर्षों में संघ को व्यापक स्वीकृति तुरंत नहीं मिली। कई स्थानों पर उपहास, विरोध और संदेह का सामना करना पड़ा। यहाँ पर स्वामी विवेकानंद का वह विचार स्मरण होता है कि किसी भी बड़े विचार को पहले उपहास, फिर विरोध और अंततः स्वीकार्यता मिलती है। "शतक" इसी क्रम को ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से सामने लाती है। धीरे-धीरे संघ की शाखाएँ बढ़ती हैं और संगठन सेवा, अनुशासन और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में अपनी पहचान स्थापित करता है।

फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को लेकर है। इस समय विभिन्न विचारधाराओं और संगठनों की सक्रियता थी। फिल्म में यह संकेत मिलता है कि उस काल में कांग्रेस के भीतर भी अलग-अलग धाराएँ थीं और अनेक क्रांतिकारी विचार समानांतर रूप से सक्रिय थे। इस संदर्भ में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और विनायक दामोदर सावरकर जैसे नायकों का उल्लेख उस दौर की वैचारिक विविधता को दर्शाता है।

"शतक" का दूसरा महत्वपूर्ण अध्याय संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के नेतृत्व से जुड़ा है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हेडगेवार के बाद उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाया और कठिन परिस्थितियों में भी उसे स्थिर रखा। भारत विभाजन के समय उत्पन्न सामाजिक तनाव, "डायरेक्ट एक्शन डे" की हिंसक घटनाएँ और शरणार्थियों की पीड़ा इन सबके बीच स्वयंसेवकों के कार्यों को फिल्म में प्रमुखता से दिखाया गया है।

इसके साथ ही गांधीजी की हत्या के बाद संघ पर लगे प्रतिबंध और उसके परिणामों का चित्रण भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उस समय संघ को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। "शतक" इस कालखंड को केवल घटनाओं के रूप में नहीं बल्कि एक परीक्षा-काल के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसमें संगठन ने अपने अस्तित्व और उद्देश्य दोनों की रक्षा करने का प्रयास किया।

फिल्म में उस दौर के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ वैचारिक संवादों का भी उल्लेख है जिनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से फिल्म उस समय की राजनीतिक जटिलताओं और निर्णयों पर विचार करने का अवसर देती है। निर्देशक का उद्देश्य यहाँ किसी निष्कर्ष को थोपना नहीं बल्कि दर्शकों को इतिहास के विभिन्न पक्षों को देखने और समझने के लिए प्रेरित करना प्रतीत होता है।

सिनेमा के दृष्टिकोण से देखें तो "शतक" की सबसे बड़ी ताकत इसका नैरेटिव टोन है। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता अजय देवगन की आवाज़ में दिया गया वॉयसओवर पूरे कथानक को गंभीरता और प्रभाव देता है। उनकी आवाज इतिहास की घटनाओं को केवल जानकारी नहीं रहने देती बल्कि उन्हें भावनात्मक अनुभव में बदल देती है।

संगीत भी फिल्म की आत्मा को मजबूत करता है। गायक सुखविंदर सिंह की आवाज़ में गाया गया गीत "भगवा है अपनी पहचान" फिल्म का भावनात्मक चरम बनकर सामने आता है। इस गीत के माध्यम से फिल्म संघ के सांस्कृतिक प्रतीक भगवा ध्वज को गौरव और पहचान के रूप में प्रस्तुत करती है। कई सिनेमाघरों में यह गीत दर्शकों के भीतर विशेष भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। हालाँकि यह भी उल्लेखनीय है कि "शतक" संघ की सौ वर्ष की यात्रा को पूरी तरह समेटने का दावा नहीं करती। फिल्म मुख्यतः हेडगेवार और गोलवलकर के कालखंड पर केंद्रित है और संघ के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस तक की कहानी का संकेत देती है। इस तरह यह फिल्म सौ वर्षों की यात्रा का "अर्धशतक" दिखाती है और संकेत देती है कि आगे का इतिहास भविष्य में किसी अगले भाग में सामने आ सकता है।

फिल्म का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि यह दर्शकों को विचार करने के लिए प्रेरित करती है। चाहे संघ के समर्थक हों या आलोचक दोनों के लिए यह फिल्म इतिहास के एक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक निर्णयों की आलोचना और इतिहास की व्याख्या जैसे विषयों को फिल्म अप्रत्यक्ष रूप से उठाती है। यह दर्शक से अपेक्षा करती है कि वह तथ्यों को देखे, उन्हें तौले और फिर अपना निष्कर्ष स्वयं बनाए।

एक तरह से देखें तो "शतक" एक वैचारिक फिल्म है, जिसका उद्देश्य मनोरंजन से अधिक विचार और इतिहास को प्रस्तुत करना है। इसकी गति कहीं-कहीं धीमी लग सकती है, किंतु इसका महत्व एक दस्तावेजी महत्व के रूप में है। समग्र रूप से "शतक" आधुनिक भारत के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय की सिनेमाई प्रस्तुति है। यह फिल्म उन लोगों के लिए विशेष रूप से रोचक है जो संघ के इतिहास, उसकी विचारधारा और उसके कार्यों को समझना चाहते हैं। संघ के समर्थकों के लिए यह प्रेरणा का स्त्रोत हो सकती है, जबकि आलोचकों के लिए यह संवाद और विचार का अवसर प्रदान करती है।

अंततः कहा जा सकता है कि "शतक" एक ऐसी फिल्म है जो इतिहास, विचार और भावनाओं के संगम से बनी है। यह संघ के उन मौन तपस्वियों की कहानी कहती है जिन्होंने संगठन के माध्यम से समाज निर्माण का स्वप्न देखा। दर्शक इस फिल्म के साथ संवाद भी कर सकते हैं और शायद यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मुख्यमंत्री ने गिनाई असम के सरकारी कैंसर अस्पताल के नेटवर्क की उपलब्धि

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य में अब सरकारी कैंसर अस्पतालों का एक बड़ा नेटवर्क चल रहा है, जिसे उन्होंने भारत के किसी भी अन्य राज्य के मुकाबले बेजोड़ बताया। गुवाहाटी के बिरूबारी स्थित प्रागज्योतिष मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि आज दो नए कैंसर इलाज केंद्रों का उद्घाटन हुआ है। राज्य ने असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के तहत 17 कैंसर अस्पतालों का एक नेटवर्क बनाने की योजना बनाई थी। यह राज्य सरकार और टाटा ट्रस्ट्स की एक संयुक्त पहल है। इनमें से 12 अस्पताल पहले से ही चालू हैं। दो और कैंसर इलाज केंद्रों, जो गोलाघाट और तिनसुकिया में स्थित हैं का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी से वर्चुअली किया। एसीसीएफ प्रोजेक्ट के तहत हर केंद्र को ₹135 करोड़ की लागत से बनाया गया है। इस पहल की शुरुआत को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का विचार कोविड-19 महामारी से पहले, एक बैठक के दौरान आया था, जिसमें अमित शाह और उद्योगपति रतन टाटा शामिल थे। उस दौरान गृह मंत्री ने रतन टाटा से कहा था कि आपको पूर्वोत्तर के हर राज्य में एक कैंसर अस्पताल बनाना चाहिए। तब असम ने एक बड़ा सपना देखा। मुख्यमंत्री के अनुसार, असम सरकार और टाटा ट्रस्ट्स ने पूरे राज्य में मिलकर 17 कैंसर अस्पताल बनाने के लिए एक समझौता किया, जिसमें दोनों पक्षों ने लागत का 50 प्रतिशत योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कीमो से लेकर रेडियोथेरेपी और सर्जरी तक आज हमारे पास 12 कैंसर अस्पताल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने गोलाघाट और तिनसुकिया में दो और अस्पतालों का उद्घाटन किया और तीन और अस्पतालों के साथ वह सपना पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र में किसी भी अन्य राज्य के पास कैंसर अस्पतालों का ऐसा नेटवर्क नहीं है जैसा आज असम के पास है।

स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि आवश्यक : श्रेयसी सिंह

पटना। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), पटना की ओर से रविवार को 'फिट इंडिया कार्निवल-2026' का भव्य और सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर एसएआई के केंद्र प्रभारी सोमेश्वर राव चव्हाण ने उन्हें बुके और शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने युवाओं और आम नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में फिटनेस गतिविधियों को शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि फिटनेस को केवल कुछ समय के अभ्यास तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। खेल मंत्री ने कहा, "फिट इंडिया मुवमेंट केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में एक जन आंदोलन है। यदि लोग अपने दैनिक जीवन में खेल और व्यायाम को शामिल करें, तो फिटनेस एक आदत बन सकती है। ऐसे आयोजन समाज में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण जुम्बा सेशन के साथ हुई, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ कार्निवल का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

फिट इंडिया कार्निवल के दौरान खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो, वुशु और योग जैसे खेलों का शानदार प्रदर्शन प्रस्तुत किया। विभिन्न खेल संघों की ओर से सड़क पर डेमो सत्र भी आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य खेलों और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा लोगों को इनके प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम स्थल पर मल्लखंब, जिम्नास्टिक, अत्या-पत्या, स्केटिंग, बास्केटबॉल, ताइक्वांडो, वुशु, सेपक टकरा, योगासन, जुम्बा और मिनी जिम सहित कई खेलों के स्टॉल लगाए गए थे। उद्घाटन के बाद खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने सभी खेल स्टॉल और डेमो सत्रों का भ्रमण किया तथा खिलाड़ियों और प्रतिभागियों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्निवल में बड़ी संख्या में युवा, खिलाड़ी और फिटनेस प्रेमी शामिल हुए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना रहा।

तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र के हंगामेदार होने की संभावना

हैदराबाद। तेलंगाना में सोमवार से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस सरकार के चुनावी वादों एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन तथा मूसी नदी के प्रस्तावित पुनरुद्धार एवं अन्य मुद्दों पर तीखी चर्चा होने की संभावना है। नव नियुक्त राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के संबोधन से सत्र की शुरुआत होगी। बजट के साथ ही सत्तारूढ़ कांग्रेस के चुनावी वादे और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी प्रमुखता से चर्चा होने की संभावना है। सरकार पांच साल के कार्यकाल के ढाई वर्ष पूरा करने के करीब है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने कहा था कि उनकी पार्टी बजट सत्र के दौरान एक निजी सदस्य विधेयक पेश करेगी ताकि "कांग्रेस के विश्वासघात को उजागर किया जा सके और चुनाव के दौरान किए गए छह वादों के लिए कानूनी समर्थन की मांग की जा सके"। संभावना है कि सरकार अपनी उन सफलताओं को उजागर करेगी जिनमें राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, गरीबों के लिए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर आदि शामिल हैं। बीआरएस नेताओं ने पिछले सप्ताह शहर के बाहरी इलाके में हुई एक बैठक में सरकार द्वारा अपने वादों को पूरा करने में कथित तौर पर असफल रहने को "उजागर" करने और सत्ता की विफलताओं से संबंधित मुद्दों को सदन में उठाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया था।

15 सौ करोड़ के साइबर घोटाले का मास्टरमाइंड सूरत एयरपोर्ट से गिरफ्तार

सूरत। गुजरात के सूरत साइबर क्राइम सेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट के मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया को सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित शेयर ट्रेडिंग और करेंसी ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी कर दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। ट्रेडिंग फ्रॉड रैकेट का मुख्य आरोपित अल्पेश वघासिया के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आयी है कि अल्पेश सिर्फ 9वीं कक्षा तक पढ़ा है, लेकिन उसने करीब 1500 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन वाला साइबर नेटवर्क खड़ा कर दिया। अल्पेश वघासिया लंबे समय से दुबई में रहकर अपने ठगी के नेटवर्क को चला रहा था। हालांकि वहां की बिगड़ती परिस्थितियों और युद्ध जैसी स्थिति के कारण वह दुबई छोड़कर भारत लौटना चाहता था। अंग्रेजी न आने के कारण उसे विदेश में रहने में भी परेशानी हो रही थी। जैसे ही वह भारत लौटने की कोशिश में सूरत एयरपोर्ट पहुंचा, पहले से जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर साइबर क्राइम टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को चकमा देने के लिए उसने तीन बार सूरत की फ्लाइट बुक की थी, लेकिन वे रद्द हो गईं। बाद में वह पहले बैंकॉक गया और वहां से अलग-अलग रूट से होते हुए सूरत पहुंचा, जहां उसे पकड़ लिया गया। आरोपित मूल रूप से राजकोट जिले के गोंडल का निवासी है और सूरत के वेलंजा इलाके में एक आलीशान बंगले में रहता था। जांच में सामने आया कि इस गिरोह के विभिन्न बैंक खातों में करीब 15,36,30,08,975 रुपये के ट्रांजेक्शन हुए हैं। इतनी बड़ी रकम देखकर जांच अधिकारी भी हैरान रह गए। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह पैसा कहां से आया और किन-किन लोगों तक पहुंचा।

आरोपितों ने सूरत के उत्राण और राजकोट में आलीशान ऑफिस खोल रखे थे। यहां आइवी ट्रेड और स्काई ग्रोथ वेल्थ मैनेजमेंट नाम से मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) स्कीम चलाई जाती थी। बिना किसी वैध लाइसेंस के लोगों को करेंसी और शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफे का लालच दिया जाता था। निवेशकों का पैसा आंगड़िया और शेल कंपनियों के बैंक खातों के जरिए दुबई भेजा जाता था। अब तक की जांच में 35 निवेशक सामने आए हैं, जिनसे कुल 4 करोड़ 26 लाख 86 हजार 550 रुपये की ठगी की गई है। पुलिस को आशंका है कि पीड़ितों की संख्या और बढ़ सकती है। आरोपियों ने हांटेक मार्केट्स जैसी ऑनलाइन एप के जरिए लोगों को यह दिखाया कि उनका ट्रेडिंग चल रहा है, जबकि यह सिर्फ एक डिजिटल छलावा था। इस पूरे मामले में डीसीपी बिशाखा जैन ने बताया कि इस केस में सूरत साइबर क्राइम ने पहले ही डेनीश उर्फ हेमल धानक, जयसुख पटोलिया, यश पटोलिया और अजय उर्फ गोपाल भिंडी को गिरफ्तार कर लिया था। ये सभी साथी सूरत और राजकोट में ऑफिस संभालते थे और अल्पेश को सभी वित्तीय रिपोर्ट भेजते थे। इन चारों आरोपितों की पूछताछ के दौरान ही पुलिस को अल्पेश वघासिया के दुबई कनेक्शन और निवेश से जुड़े मनी ट्रेल की जानकारी मिली थी।

जम्मू पुलिस ने गजनसु मे हेरोइन के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने गजनसु मे हेरोइन के साथ एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए नियमित गश्त के दौरान एक नशीले पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करके एक और सफलता हासिल की। 15.03.2026 को बीपपी पुलिस स्टेशन कनाचक की एक पुलिस टीम ने गजनसु सटे रिंग रोड सर्विस लेन के पास नियमित गश्त के दौरान अभि कुमार, पुत्र मदन लाल, निवासी घौ मनहसन को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 4.54 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। तदनुसार, पुलिस स्टेशन कनाचक में एफआईआर संख्या 39/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस जिले में मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के लिए प्रतिबद्ध है।

केसीपी के इशारे पर स्टाफ नर्सों से उगाही के आरोप में चार गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने उग्रवादी संगठन केसीपी के इशारे पर उगाही की गतिविधियों में लिप्त चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस चारों से सघन पूछताछ कर रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस), मणिपुर के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ़ नर्सों से पैसे वसूलने के मामले में पोरोमपत पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी की जांच के बाद, मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पश्चिम ज़िले में स्थित अपराधियों के घरों से चार लोगों को गिरफ़्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान खोइसनाम रोजर (29), खोइसनाम बायरन (23), सिनम उमाकांत सिंह (43) और आरके हेरामोट सिंह (45) के रूप में की गयी है। अपराधियों के पास से 39 लाख की नकद राशि, छह मोबाइल फ़ोन और एक पिस्तौल बरामद किया गया है। पुलिस कि पूछताछ में गिरफ़्तार लोगों ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के इशारे पर यह अपराध किया। उन्होंने जेएनआईएमएस के कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ से पैसे वसूले और उन्हें उस भूमिगत संगठन को भेज दिया।

मणिपुर में दो उग्रवादी एवं तीन मादक पदार्थ तस्कर समेत पांच गिरफ्तार

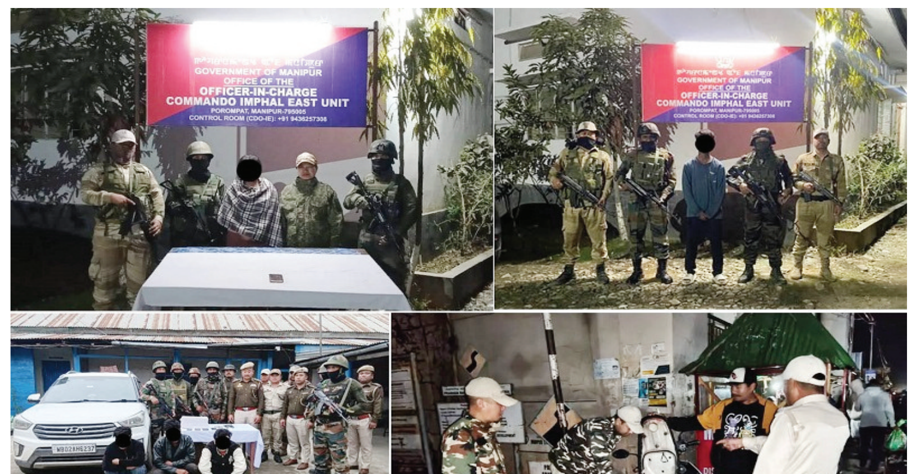

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में अभियान चलाते हुए प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) एवं आरपीएफ/पीएलए के दो कैडरों के साथ ही एक अन्य अभियान में हथियारों के साथ तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने दावा किया है कि तीनों का संबंध मादक पदार्थ तस्कर गिरोह हो सकता है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय से रविवार को जारी बयान के अनुसार, शनिवार को सुरक्षा बलों ने पोरमपत थानांतर्गत वांगखेई एंड्रो पार्किंग इलाके से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान थियाम अथोई मैतेई उर्फ अथौबा (24) के रूप में हुई है। कैडर मूल रूप से इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग थानांतर्गत चानम सांड्रोक मयाई लेइकाई का रहने वाला है। दूसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए की एक सक्रिय महिला कैडर को गिरफ्तार किया। यह महिला प्रतिबंधित संगठन के लिए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल थी। गिरफ्तार महिला की पहचान खांगेम्बम (ओ) खुमंथेम औना देवी उर्फ इबेयाइमा (43) के रूप में हुई। महिला कैडर मूल रूप से विष्णुपुर जिले के कुम्बी इशिंग चाइबा लेइकाई की रहने वाली है। उसे इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई थानांतर्गत सावोम्बुंग फॉरेस्ट गेट इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किया गया हैं। इस बीच सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के लिलोंग थानांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-102 पर लिलोंग बाजार इलाके से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मो. अब्दुल गफार उर्फ थोई (22), मो. बोइचा (23) और केएच अकिप उर्फ अकी (23) के रूप में की गयी। पुलिस ने गिरफ़्तार व्यक्तियों के पास से एक 9 एमएम की पिस्तौल, मैगज़ीन के साथ, (सात राउंड 9 एमएम के ज़िंदा कारतूस, 494 ग्राम हेरोइन (ब्राउन शुगर), चार मोबाइल फ़ोन, और एक चार-पहिया हुंडई क्रेटा वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार तीनों व्यक्तियों के संबंध में सुरक्षा बलों ने आशंका जतायी है कि ये सभी मादक पदार्थ के तस्कर हो सकते हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

रांची में यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूकता अभियान, बाइक रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन

रांची। आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रांची में यातायात पुलिस ने रविवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत लोगों को सड़क पर सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई। अभियान के दौरान लोगों को हेलमेट पहनकर बाइक चलाने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, ट्रिपल राइडिंग नहीं करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा तेज और लापरवाही से गाड़ी नहीं चलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने से होने वाले हादसों और नुकसान के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।\ कार्यक्रम के तहत शहर में बाइक रैली भी निकाली गई। यह रैली बिरसा चौक से शुरू होकर अरगोड़ा चौक होते हुए फिरायालाल चौक तक पहुंची। इस दौरान आम लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर भी लोगों को सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। यह अभियान वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर चलाया गया, जबकि यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस की टीम ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर रांची नगर क्षेत्र के कई पुलिस उपाधीक्षक, यातायात पुलिस के अधिकारी, स्थानीय थाना प्रभारी, ट्रैफिक प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी भी मौजूद रहे।

मोदी के खिलाफ कभी जातिवादी टिप्पणी नहीं की: मणिशंकर अय्यर

जयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियां मोदी के चरित्र को लेकर थीं, न कि उनकी जाति को लेकर। नौकरशाह से नेता बने अय्यर ने कहा कि उन्हें अंग्रेजी बोलने के कारण "मैकॉले की औलाद" कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिल जानते हैं। अय्यर ने अपने कथित पुराने बयानों संबंधी विवाद पर कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को कभी "नीची जाति" का नहीं कहा। उन्होंने शनिवार शाम जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, "मैंने उन्हें कभी 'नीची जाति' का व्यक्ति नहीं कहा। मैंने उनके चरित्र के संदर्भ में उन्हें 'नीच किस्म के व्यक्ति' कहा था। यह पूरी तरह अलग बात है।" अय्यर ने कहा कि उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया और ऐसा दिखाया गया कि मानो वह मोदी की जाति पर टिप्पणी कर रहे हों। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने इसे जातिगत अपमान के रूप में प्रचारित किया क्योंकि अय्यर ब्राह्मण हैं। पूर्व मंत्री ने अपनी इस कथित टिप्पणी पर विवाद का भी जिक्र किया कि ₹चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता।₹ अय्यर ने इसे भी गलत ठहराते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया। उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं कहा कि क्योंकि वह चाय बेचते थे, इसलिए प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।₹ अय्यर ने कहा कि उन्होंने "इतिहास के बारे में ज्ञान की कमी₹ को लेकर मोदी की आलोचना की थी। अय्यर के अनुसार, उन्होंने सवाल उठाया था कि उनकी नजर में जो व्यक्ति ऐतिहासिक तथ्यों को नहीं जानता, वह उस भूमिका में (प्रधानमंत्री) कैसे हो सकता है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे ऐतिहासिक बिंदुओं का जिक्र किया था, जैसे सिकंदर कभी पाटलिपुत्र तक नहीं पहुंचा और नालंदा भारत में है, जबकि तक्षशिला अब पाकिस्तान में है। अय्यर ने कहा कि ये टिप्पणियां करने के बाद उन्होंने मजाक में कहा था कि यदि मोदी चुनाव हारने के बाद चाय बांटना चाहें तो उसकी व्यवस्था की जा सकती है। उन्होंने कहा, "उन्हें चायवाला किसने कहा? खुद मोदी ने ही कहा था कि वह चायवाले थे।" उन्होंने मोदी के इस दावे पर भी संदेह जताया कि उन्होंने अपने गृह नगर वडनगर में रेलवे प्लेटफार्म पर चाय बेची थी। अय्यर ने दावा किया कि 1973 तक उस शहर में रेलवे प्लेटफार्म था ही नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे दावे और "भ्रामक बातें" मोदी के प्रधानमंत्री बनने में सहायक रहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुसलमानों के बारे में की गई टिप्पणियां देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का कारण बनीं।

पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र को लेकर उठा विवाद , मुख्यमंत्री ने दी सख्त हिदायत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर उठे विवाद के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस निर्देश का संज्ञान लेते हुए सभी भर्ती परीक्षाओं में प्रश्न पत्र बनाने वालों को निर्देशित किया जाए और बार-बार गड़बड़ी करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए।

बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिया है कि इस हिदायत को प्रश्न पत्र बनाने वालों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापन (एमओयू) का भी हिस्सा बनाया जाए। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर खासा विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को आयोजित परीक्षा में एक प्रश्न पूछा गया था– "अवसर के अनुसार बदल जाने वालों के लिए एक शब्द में उत्तर दें।" इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे– पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी। प्रश्न के विकल्पों में 'पंडित' शब्द शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में जांच के निर्देश दिए हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रश्न में दिए गए विकल्पों पर सरकार को गंभीर आपत्ति है और इसे संज्ञान में लिया गया है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने शनिवार देर शाम कहा कि संदर्भित प्रश्न के संबंध में जांच के आदेश दिए गए हैं और जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के सचिव अभिजात मिश्रा ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रश्न पर आपत्ति जताते हुए प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस बीच, उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने शनिवार देर शाम अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, "उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 14 मार्च को आयोजित की गई उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के भर्ती की लिखित परीक्षा की पहली पाली में पूछे गए एक प्रश्न पर सोशल मीडिया में दृष्टिगत चर्चाओं के परिप्रेक्ष्य में, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड यह अवगत कराना चाहता है कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा अपने प्रश्न पत्र स्वयं स्थानीय स्तर पर निर्धारित नहीं किए जाते हैं।" बोर्ड ने इसी पोस्ट में कहा, "यह कार्य अति गोपनीय संस्थाओं के द्वारा इस प्रकार कराया जाता है कि परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्रों की गोपनीयता अक्षुण्ण रहे। इस गोपनीयता को बनाए रखने के लिए बोर्ड स्तर पर भी किसी अधिकारी, कर्मचारी द्वारा गोपनीय सामग्री अर्थात प्रश्नपत्रों का अवलोकन नहीं किया जाता है।"

मुख्यमंत्री ने नव संवत्सर की शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को सनातन नव संवत्सर की शुभकामनाएं देते हुए रविवार को कहा कि चैत्र नवरात्र उपासना का पर्व मात्र नहीं, अपितु नारी-शक्ति के वंदन का महापर्व है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर 'योगी की पाती' शीर्षक से पोस्ट किए गए एक विस्तृत संदेश में प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरम्भ होने वाला आदिशक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्र हम सभी के जीवन में भक्ति, शक्ति एवं नवचेतना का संचार करे, इसी मंगलकामना के साथ आप सभी को सनातन नव संवत्सर (विक्रम संवत 2083) की हृदय से शुभकामनाएं। उन्होंने प्रदेश के विकास में नारी शक्ति के योगदान का जिक्र करते हुए अपने संदेश में कहा, श्विगत नौ वर्षों में हम सभी ने उत्तर प्रदेश को निरंतर संवरते देखा है। संकल्प से सिद्धि की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश के हर वर्ग ने योगदान दिया। वर्ष 2017 से पूर्व के कालखंड के तम से उबरकर उपद्रव से उत्सव प्रदेश के नवनिर्माण में नारी शक्ति का योगदान अतुलनीय है। मुख्यमंत्री ने इसी संदेश में कहा कि चैत्र नवरात्र उपासना का पर्व मात्र नहीं, बल्कि नारी-शक्ति के वंदन का महापर्व है। उन्होंने कहा कि वह समाज तथा प्रदेश सशक्त बनता है, जहां बेटियां समर्थ होती हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य एवं केंद्र की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि नारी शक्ति का मान रहे, बेटियों को उनके सपनों का आसमान मिले और मातृशक्ति को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि 'मिशन शक्ति' अभियान, रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना, महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना तथा प्रदेश के लगभग 20 हजार स्टार्ट-अप में से आधे का नेतृत्व नारी-शक्ति द्वारा किया जाना, ये सभी सकारात्मक परिवर्तन के सशक्त उदाहरण हैं। आदित्यनाथ ने हर क्षेत्र में बेटियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि विकसित प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह स्वर्णिम यात्रा निरंतर गतिशील रहे, इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक प्रदेशवासी हर क्षेत्र में बेटियों को भी आगे बढ़ने के लिए बेटों के समान अवसर प्रदान करने का संकल्प ले।

मुख्यमंत्री ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान के आकलन का निर्देश दिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित अधिकारियों को रविवार सुबह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हुई वर्षा से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने वर्षा से प्रभावित जिलों में जिलाधिकारी समेत सभी अधिकारियों को क्षेत्र में रहकर किसानों से संवाद करने और उनकी फसलों के नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि राहत आयुक्त क्षेत्र में मौजूद अधिकारियों से सीधा समन्वय रखें और फसलों को होने वाली क्षति का आकलन प्राप्त कर समय से मुआवजे के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस बीच, मौसम विभाग ने राज्य के अनेक पश्चिमी जिलों और कुछ पूर्वी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, हापुड़, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर जिलों के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान और हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

भाजपा संविधान की पुजारी और आरक्षण का समर्थक : उप मुख्यमंत्री

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी गंगा पार, जमुना पार एवं महानगर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में बसंतोत्सव एवं कार्यकर्ता मिलन का आयोजन परेड ग्राउंड में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह भरते हुए होली की शुभकामनाएं दी और ललकारते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का यह जन सैलाब 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की साइकिल पंचर कर उन्हें सैफई भेजने का काम करेगा और प्रयागराज के सभी 12 सीटों पर प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाएंगे।

उन्होंने कहा सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 की तरह ही मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखते रह जाएंगे और भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के दम पर 2017 का इतिहास दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा एलपीजी गैस बुकिंग को लेकर सिर्फ दुष्प्रचार कर रहे हैं और कुछ नहीं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युद्ध के समय भी ईरान के रास्ते से एलपीजी गैस और क्रूड ऑयल हमारा तिरंगा लहराते हुए बड़े शान से आ रहा है। उन्होंने कहा कि 2025 की लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार फैलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता में रोकने के लिए संविधान का सहारा लेकर दुषप्रचार किया और कुछ हद तक वह सफल हो पाए। लेकिन कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कांग्रेसियों को 100 सीटों का आंकड़ा भी प्राप्त नहीं करने दिया। उन्होंने कहा सपा और कांग्रेस को हम ललकार कर कहते हैं भारतीय जनता पार्टी संविधान की पुजारी है और आरक्षण का समर्थक है।

डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि जो अधिकारी सपा का एजेंट बनकर संविधान और आरक्षण के खिलाफ काम करेगा तो उसकी जांच बैठाएंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। एक ऐसा भारत बन रहा है जो किसी देश को छेड़ता नहीं, लेकिन कोई हमें छेडे़गा तो हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं। और जब जरूरत पड़ेगी तो हम फिर से सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर करने से नहीं चूकेंगे। क्योंकि हमारे लिए देश प्रथम है, बाद में दल है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है देश के गरीबों को अमीर बनना, सशक्त और समृद्धशाली और विकसित भारत बनाना और जब तक गरीबों को हम अमीर नहीं बनाएंगे तब तक भारत विकसित भारत नहीं बन पाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अपराधी की 1.17 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

बाराबंकी। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने रविवार को एक शातिर अपराधी की एक करोड़ 17 लाख 30 हजार रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। आरोप है कि अपराधी ने गिरोह बनाकर भोले-भाले लोगों से ठगी करके अपनी संपत्ति बनायी है। मोहम्मदपुर खाला थाना के प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि ग्राम सिहाली निवासी मोहम्मद असलम की एक करोड़ 17 लाख 30 हजार रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। उसने आर्थिक और भौतिक लाभ लेने के लिए गिरोह बनाया और उनकी मदद से लोगों को धोखाधड़ी और जालसाजी करता था। आरोपित की अपराध से अर्जित की गई संपत्तियों की पहचान कर थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को भेजी थी। जिलाधिकारी के आदेश पर अपराधी की सपंत्ति कुर्क की गई हैं।

शातिर इनामी बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

बलिया। जिले के गड़वार क्षेत्र में पुलिस और एसओजी ने शनिवार को देर रात एक मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपए के इनामी एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान अपराधी के बाएं पैर में गोली लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर ने रविवार को बताया कि शनिवार को देर रात लगभग सवा 10 बजे मुखबिर की सूचना के आधार पर गड़वार पुलिस और एसओजी ने इनामी अपराधी टेंगर नट को घेरकर गिरफ्तार करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस से घिरता देखकर टेंगर ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाईं। शंकर ने बताया कि पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की जवाबी कार्रवाई में नट के बाएं पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टेंगर नट पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है और वह एक शातिर अपराधी है। उन्होंने बताया कि उस पर जिले के गड़वार, सुखपुरा तथा नगरा थाना क्षेत्र में चोरी की अनेक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है। शंकर ने बताया कि पुलिस ने नट के पास से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किये हैं।

अज्ञात महिला का सिर कटा शव बरामद, पुलिस की जांच जारी

बुलंदशहर। जिले में रविवार को एक अज्ञात महिला का सिर कटा शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि नरसैना थाना क्षेत्र के घूंघरावली गांव के जंगल में नहर के किनारे एक अज्ञात महिला का सिर कटा हुआ शव मिला। पुलिस के मुताबिक, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और उसकी पहचान की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मृतका के दाहिने हाथ पर एक टैटू बना हुआ है, जिससे उसकी पहचान में मदद मिल सकती है। थाना प्रभारी रामकिशोर गौतम ने बताया मामले की जांच जारी है।

GRP ने ट्रेन पर पत्थर फेंकने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया

देवरिया। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी थाना देवरिया पुलिस ने ट्रेन पर पत्थर फेंककर यात्री को घायल करने वाले एक आरोपित को रविवार गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सवि रत्न गौतम ने बताया कि जीआरपी थाना देवरिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन सरदार नगर के पूर्वी छोर स्थित साइन बोर्ड के पास से ट्रेन पर पत्थर फेंकने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान यशवंत कुमार (38) निवासी ग्राम पैकौली गोदाम टोली के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपित ने बताया कि कुछ दिन पहले उसने चलती ट्रेन से एक यात्री का मोबाइल छीनने की कोशिश की थी। मोबाइल छीनने की नीयत से उसने ट्रेन पर पत्थर फेंका, जिससे एक यात्री को गंभीर चोट लग गई थी। घटना के बाद वह झाड़ियों और पेड़ों की आड़ लेकर मौके से फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी से ट्रेनों पर पत्थरबाजी और यात्रियों से लूटपाट जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

डंपर की चपेट में आ जाने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद के नवाबगंज इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ जाने से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक और एक किशोर फर्रुखाबाद की तरफ आ रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में नवाबगंज चौराहे पर मोहम्मदाबाद मार्ग की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया और अनियंत्रित होकर एक कार से जा टकराया। सूत्रों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि चपेट में आए तीनों के शरीर के चीथड़े उड़ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पुष्पेंद्र (20), अर्पित यादव (18) और निशु (15) के रूप में हुई है और वे सभी एटा के रहने वाले थे। परिजनों के अनुसार हादसे के शिकार हुए तीनों लोग शनिवार रात लगभग आठ बजे खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शवों के अवशेषों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

निजी संपत्ति में नमाज अदा करने में दखल ना दे बदायूं जिला प्रशासनः इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बदायूं के जिला प्रशासन को एक निजी संपत्ति के भीतर स्थित एक मस्जिद में अदा की जा रही नमाज में हस्तक्षेप नहीं करने का निर्देश दिया है। उक्त निर्देश देते हुए न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति विवेक शरण की पीठ ने हाल में एक समन्वय पीठ द्वारा व्यक्त इस विचार से सहमति जताई कि एक निजी परिसर में धार्मिक सभा करने के खिलाफ कानून में कोई प्रतिबंध नहीं है।

अदालत ने कहा, "हम समन्वय पीठ के निर्णय से सहमत हैं और प्रतिवादी अधिकारियों को याचिकाकर्ताओं के परिसर के भीतर नमाज अदा किए जाने में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं करने का निर्देश देते हैं।" यह आदेश बदायूं के अलिशेर द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया गया। अलिशेर ने अदालत से यह निर्देश जारी करने की मांग की थी कि उसकी संपत्ति के एक हिस्से में स्थित वक्फ मस्जिद रजा नाम की मस्जिद में उसके, उसके परिजनों और मुस्लिम समुदाय के अन्य सदस्यों द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से अदा की जा रही नमाज में अधिकारी किसी तरह का हस्तक्षेप ना करें या कोई अड़चन ना डालें। याचिकाकर्ताओं के वकील ने मरांथा फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में एक खंडपीठ द्वारा 27 जनवरी को दिए गए निर्णय का हवाला दिया।

इस रिट याचिका को निस्तारित करते हुए अदालत ने 25 फरवरी को दिए निर्णय में 27 जनवरी के निर्णय के आधार पर याचिकाकर्ताओं को राहत दी और स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्ग या सार्वजनिक संपत्ति पर किसी कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस कानून के मुताबिक पर्याप्त कार्रवाई कर सकती है।

सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं।

मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है।

मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जुड़कर सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी आंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिये गये अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है। उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है।

मायावती ने बहुजन समाज के लोगों को सपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं। बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज से यह भी अपील की कि वह सांसद और विधायक बनाने का लालच देकर बहुजनों के वोट की ताकत को कमजोर करने वाली पार्टियों से दूर रहें। साथ ही, अपने निजी स्वार्थ के लिए पार्टी से 'दगा' करने वालों से भी उचित दूरी बनाए रखें। उन्होंने केंद्र की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार से आग्रह किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने में और विलंब ना करे क्योंकि देश में संविधान की मंशा के अनुसार समता मूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का ऐतिहासिक योगदान रहा है।

मायावती ने कांशीराम के नाम पर बनाए गए 'मान्यवर श्री कांशीराम उर्दू, अरबी, फारसी विश्वविद्यालय' का नाम बदले जाने की भी आलोचना की और कहा कि ऐसी संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों व इनकी सरकारों से 'बहुजन समाज' का वास्तविक हित व कल्याण की आशा करना 'रेगिस्तान में पानी तलाशने' जैसा असंभव है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि बसपा 'बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है जबकि दूसरी पार्टियां केवल हवाहवाई बातों, लुभावनी घोषणाओं व दावों के साथ-साथ 'अच्छे दिन' के हसीन सपनों के माध्यम से जनता को बरगलाना चाहती हैं। पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 12 मंडलों के बसपा कार्यकर्ताओं ने राजधानी लखनऊ में 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' पर पहुंचकर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बयान के अनुसार इसके अलावा मायावती के निर्देश पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के पार्टी के लोगों ने गौतम बुद्ध नगर में स्थापित 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल' में कांशीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के मुताबिक बसपा की राजस्थान इकाई द्वारा भरतपुर जिले में आयोजित जोन स्तरीय कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मां और भाई के सामने बालिका को मुंह में दबा कर ले गया गुलदार, मौत

बिजनौर। थाना नहटौर क्षेत्र के गांव में आज रविवार सुबह लगभग 10 बजे गुलदार के हमले से 10 वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत हो गई। बालिका अपनी मां और भाई के साथ खेत से घर लौट रही थी, तभी झाड़ियों में छिपे गुलदार ने उस पर हमला कर दिया और मां तथा भाई के सामने ही गर्दन से दबोचकर जंगल की ओर खींच ले गया। यह मामला जनपद बिजनौर के थाना नहटौर क्षेत्र के गांव मुकर्रमपुर निवासी अतुल कुमार का परिवार गन्ने की बुआई के लिए खेत पर गया था।

रविवार सुबह करीब 10 बजे अतुल की पत्नी पिंकी अपनी बेटी अदिति (10) और बेटे आदित्य के साथ खेत से काम निपटाकर वापिस घर लौट रही थीं। रास्ते में झाड़ियों में छिपे गुलदार ने अचानक अदिति पर हमला कर दिया। मां और भाई के सामने ही गुलदार बच्ची को गर्दन से दबोचकर जंगल की ओर खींच ले गया। मां के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों के पहुंचने और शोर मचाने पर गुलदार बच्ची को करीब 200 मीटर दूर लहूलुहान हालत में छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजन अदिति को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अदिति चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर की थी और गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार की छात्रा थी। उसकी मौत से परिवार, स्कूल के शिक्षकों और सहपाठियों में शोक की लहर है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने बताया कि टीम को मौके पर भेजा जा रहा है। क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाएगी और आगे की कार्रवाई उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी।

छोटी जंगली बिल्लियों की सुरक्षा, संरक्षण को मजबूत करने के लिए नेटवर्क बनाने पर सहमति

लखीमपुर खीरी। भारत, नेपाल और भूटान के वन अधिकारियों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षकों ने लखीमपुर खीरी जिले के वन क्षेत्र में छोटी जंगली बिल्लियों की सुरक्षा और संरक्षण को मजबूत करने के लिए एक नेटवर्क बनाने पर सहमति जताई है। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय दुधवा बाघ अभयारण्य (डीटीआर) में 'ग्लोबल टाइगर फोरम' द्वारा अपने जीईएफ-7 कार्यक्रम के तहत आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सीमा-पार सम्मेलन के समापन सत्र में लिया गया।

डीटीआर के क्षेत्र निर्देश डॉक्टर एच. राजमोहन ने बताया कि दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को समाप्त हुई, जिसमें तीनों देशों के वन अधिकारियों, संरक्षकों और वन्यजीव विशेषज्ञों ने छोटी जंगली बिल्लियों के लिए एक संयुक्त संरक्षण रणनीति विकसित करने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि छोटे मांसाहारी जीव, विशेष रूप से छोटी जंगली बिल्लियां और चूहों की आबादी को नियंत्रित करके एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाते हैं। राजमोहन ने कहा कि प्रस्तावित नेटवर्क इस पूरे क्षेत्र में छोटी जंगली बिल्ली की प्रजातियों की स्थिति का विश्लेषण और मूल्यांकन करने में सुविधा प्रदान करेगा और उनकी मौजूदगी, आवास की स्थिति तथा उनके संरक्षण के लिए मौजूद खतरों पर वैज्ञानिक अध्ययन सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को तराई क्षेत्र में जैव विविधता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल बताते हुए उन्होंने कहा कि चर्चाओं में संरक्षण प्रयासों में सीमा-पार सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान, डब्ल्यू डब्ल्यू एफ-इंडिया ने "दुधवा क्षेत्र में जंगली बिल्लियों की पहचान के लिए एक नियमावली" नामक एक पुस्तक जारी की।

यह वन अधिकारियों, शोधकर्ताओं और संरक्षण विशेषज्ञों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी। 'ग्लोबल टाइगर फोरम' के सचिव डॉक्टर राजेश गोपाल के अनुसार इस बैठक का उद्देश्य दक्षिण एशिया में छोटी जंगली बिल्लियों के संरक्षण को मजबूत करना और वैश्विक स्तर पर संरक्षण क्षमताओं को बढ़ाना था।

मां की डांट से आहत बेटे ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र में एक युवक ने शनिवार देर रात को ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक शराब के नशे में घर पहुंचा था, जिस पर उसकी मां ने उसे फटकार लगाई थी। इससे नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। रविवार तड़के घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बागदोही बांगर निवासी ममता रावत ने बताया कि उनका बेटा रवि रावत (27) मंधना स्थित एक मसाला फैक्ट्री में काम करता था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में घर लौटता था, जिस कारण घर और पड़ोस में कई बार विवाद भी हो जाता था। शनिवार रात भी वह फैक्ट्री से शराब पीकर घर आया था। मां ने नाराजगी जताते हुए उसे दोबारा शराब पीकर घर न आने की बात कही, जिससे वह नाराज होकर घर से निकल गया। देर रात तक उसके घर वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने दोस्तों व परिचितों से पूछताछ की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से रवि की मौत हो गई है। थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि युवक के शराब के नशे में घर आने को लेकर परिवार में विवाद हुआ था। इसी के बाद वह घर से निकल गया और रात में ट्रेन के आगे कूद गया।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच

हॉकी इंडिया ने कप्तान सलीमा टेटे को दी बधाई

हैदराबाद। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अंतरराष्ट्रीय करियर में 150 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। सलीमा ने यह उपलब्धि हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड महिला हॉकी टीम के खिलाफ खेलते हुए हासिल की। यह मैच हैदराबाद के जी.एम.सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेला गया। झारखंड में जन्मी 25 वर्षीय मिडफील्डर सलीमा टेटे अपनी तेज रफ्तार और मैदान पर अथक मेहनत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने नवंबर 2016 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। तब से वह राष्ट्रीय टीम की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक बन चुकी हैं और अब तक 16 अंतरराष्ट्रीय गोल भी कर चुकी हैं।

सलीमा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में ओलंपियन का दर्जा हासिल किया, जब वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद उनके करियर में लगातार उन्नति देखने को मिली। 2022 में मस्कट में आयोजित महिला एशिया कप में उन्हें 'राइजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार मिला, जहां भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया था। उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जहां टीम चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उनका अहम गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। सलीमा भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने 2022 में स्पेन में आयोजित FIH महिला नेशंस कप जीता और 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किया।

उसी वर्ष रांची में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने सात मैचों में पांच गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुनी गईं। साल 2024 में उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बनाया गया। उनकी अगुआई में भारत ने बिहार में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में स्वर्ण पदक जीता और 2025 के महिला एशिया कप में रजत पदक हासिल किया। उनके शानदार प्रदर्शन को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2021 में उन्हें 'हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवॉर्ड' से नवाजा गया, जबकि 2023 में उन्हें 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला।

2024 में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सलीमा की प्रतिभा, निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि सलीमा हाल के वर्षों में भारतीय महिला हॉकी की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं और भविष्य में उनसे और कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

महिला हॉकी विश्व कप के लिए भारत ने किया क्वालीफाई

हैदराबाद। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में शनिवार को इंग्लैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद टीम ने इस साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। दुनिया की छठे नंबर की टीम इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 43वें मिनट में एलिजाबेथ नील ने मैदानी गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 2-0 कर दी। रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने पूरी कोशिश की लेकिन इंग्लैंड की मजबूत रक्षा पंक्ति को भेद नहीं पाई। इस टूर्नामेंट से चैंपियन इंग्लैंड, उपविजेता भारत और स्कॉटलैंड (जिसने इटली को 1-0 से हराया) ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। वर्ल्ड कप का यह चरण 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा जो पुरुषों के टूर्नामेंट के साथ ही होगा। भारत ने खेल की शुरुआत शानदार तरीके से की। नवनीत कौर ने अपनी टीम को शुरुआती दो मिनट के अंदर ही एक पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में मदद की।

उन्होंने जो ड्रैग-फ्लिक मारी, उसे इंग्लैंड की गोलकीपर ने रोक दिया। मेजबान टीम ने बहुत अनुशासित प्रदर्शन किया और अपनी रक्षात्मक पंक्ति को मजबूत बनाए रखा। साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें कीं। पहले क्वार्टर के आखिर में हालांकि इंग्लैंड ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली और दो मिनट बाकी रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। बाल्सडन ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने अपनी ड्रैग-फ्लिक से गेंद को गोल में पहुंचाया और इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना पांचवां गोल दागकर इंग्लैंड को बढ़त दिला दी। दूसरा क्वार्टर भी कुछ इसी अंदाज में शुरू हुआ। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को ज्यादा मौके नहीं दिए।

पहले हाफ में आठ बार सर्कल में घुसने के बावजूद भारत ने इंग्लैंड के डिफेंस को तो परेशान किया, लेकिन मौका नहीं बना। इससे पहले हाफ तक मेहमान टीम अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद इंग्लैंड ने नियंत्रण बरकरार रखा। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम का डिफेंस मजबूत बना रहा। आखिरकार इंग्लैंड ने नील (43वें मिनट) की बदौलत अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। इस मिडफील्डर का शॉट एक भारतीय डिफेंडर से टकराकर बीचू देवी को छकाते हुए गोल में जा घुसा। इस तरह तीसरे क्वार्टर के आखिर में मेहमान टीम 2-0 से आगे हो गई। भारत ने गोल की तलाश जारी रखी। आखिरी क्वार्टर में भारत को आखिरी मिनटों में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे गेंद को गोल में पहुंचाने में नाकाम रहे।

क्रिकेटर कुलदीप यादव मसूरी में विवाह बंधन में बंधे

देहरादून। भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव उत्तराखंड की पर्यटक नगरी मसूरी में अपनी मंगेतर वंशिका सिंह के साथ विवाह बंधन में बंध गए। शनिवार रात तक चलीं विवाह से संबंधित सभी रस्में शहर के मशहूर होटल 'द सेवॉय' में हुईं जिसे क्रिकेटर की शादी के लिए विशेष रूप से सजाया गया था। विवाह में तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद कैफ, आरपी सिंह और सुरेश रैना जैसी क्रिकेट जगत की हस्तियां भी शामिल हुईं। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री भी विवाह समारोह में पहुंचे और उन्होंने वर-वधू को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। कुलदीप हाल में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे।

फार्मूला वन ने ईरान युद्ध के कारण रद्द की बहरीन और सऊदी में होने वाली रेस

शंघाई। फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहा है कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं।

यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई। एफवन ने कहा, "पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी।" उन्होंने कहा, "हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा।" एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी।

एफवन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, "हालांकि यह एक मुश्किल फ़ैसला था लेकिन दुर्भाग्य से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस समय यह सही फैसला है।" फिया ने कहा कि ये दोनों रेस 'अप्रैल में नहीं होंगी' और इनकी जगह कोई दूसरी रेस आयोजित नहीं की जाएगी। फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा, "फिया हमेशा हमारे समुदाय और सहकर्मियों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखेगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।"

आर्सेनल के मैक्स डॉवमैन प्रीमियर लीग में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

लंदन (यूके)। आर्सेनल के युवा विंगर मैक्स डॉवमैन ने प्रीमियर लीग में इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शनिवार को एवर्टन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्सेनल की 2-0 की जीत के दौरान डॉवमैन ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

16 साल और 73 दिन की उम्र में गोल करने वाले डॉवमैन ने एवर्टन के पूर्व स्ट्राइकर जेम्स वॉन का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वॉन ने 2005 में क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ खेलते हुए 16 साल और 270 दिन की उम्र में गोल किया था। अब डॉवमैन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मुकाबले के अंतिम क्षणों में आया यह गोल आर्सेनल की जीत को पक्का करने वाला साबित हुआ। इस जीत के साथ टीम ने लीग तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

युवा खिलाड़ी के इस प्रदर्शन से क्लब के खिलाड़ी, स्टाफ और दर्शक सभी बेहद उत्साहित नजर आए। मैच के बाद आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने डॉवमैन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह क्लब और खिलाड़ी दोनों के लिए बेहद खास पल है। आर्टेटा ने कहा, "यह एक शानदार क्षण था। सभी खिलाड़ी और दर्शक खुशी से झूम रहे थे। यह एक खूबसूरत दिन है। इतनी कम उम्र में, इतने दबाव और उम्मीदों के बीच इस तरह का प्रदर्शन करना आसान नहीं होता।"जब आर्टेटा से पूछा गया कि मैदान पर भेजने से पहले उन्होंने डॉवमैन से क्या कहा था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "मैंने उससे कहा था कि जाओ, अपना खेल खेलो और हमें मैच जिताओ।" डॉवममैन का यह गोल न केवल उनके करियर की शानदार शुरुआत माना जा रहा है, बल्कि आर्सेनल के लिए भी भविष्य की बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह का आत्मविश्वास और प्रदर्शन उन्हें आने वाले समय में प्रीमियर लीग का बड़ा सितारा बना सकता है।

मेदवेदेव ने फाइनल में जगह बनाई

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। दानिल मेदवेदेव ने कार्लोस अल्काराज़ को इस साल की पहली हार का स्वाद चखाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में अल्काराज को 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया। फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव का मुकाबला इटली के यानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर ज़्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराया। अल्काराज़ ने इससे पहले इस साल लगातार 16 मैच जीते थे, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन के खिताब शामिल हैं। मेदवेदेव ने इस जीत से अल्काराज़ और सिनर के बीच एक और फाइनल की संभावना को खत्म कर दिया।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर में 31 मार्च को हांगकांग से भिड़ेगा भारत, कोच्चि में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम एएफसी एशियन कप सऊदी अरब-2027 क्वालीफायर के अपने अंतिम मुकाबले में 31 मार्च को हांगकांग चीन पुरुष फुटबॉल टीम का सामना करेगी। यह मैच केरल के कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा। यह मुकाबला इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि लगभग दस साल बाद कोच्चि का यह स्टेडियम भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम की मेजबानी करेगा।

इससे पहले मार्च 2016 में भारत ने इसी मैदान पर तुर्कमेनिस्तान पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर का मुकाबला खेला था। वह आखिरी मौका था जब भारतीय सीनियर टीम ने केरल में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है, लेकिन टीम अपने अभियान का समापन जीत के साथ करना चाहेगी। यह मुकाबला भले ही क्वालीफिकेशन के लिहाज से औपचारिक रह गया हो, क्योंकि हांगकांग भी बाहर हो चुका है, लेकिन इसमें मिलने वाले फीफा रैंकिंग अंक दोनों टीमों के लिए काफी अहम होंगे। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर के फाइनल राउंड में यह भारत का तीसरा अलग घरेलू मैदान होगा।

इससे पहले मार्च में शिलांग में भारत ने बांग्लादेश पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ मुकाबला खेला था, जबकि अक्टूबर में मडगांव में सिंगापुर पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाफ मैच आयोजित किया गया था। अब कोच्चि में होने वाला यह मुकाबला भारतीय टीम के अभियान का आखिरी मैच होगा, जहां टीम जीत के साथ अपने क्वालीफायर अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगी।

पेप्सी ने 'सैयारा' के कलाकार अहान पांडेय और अनीत पड्डा को ब्रांड एम्बैसडर बनाया

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम से पहले शीतल पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी पेप्सिको की भारतीय इकाई ने युवाओं, खासकर नई पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए फिल्म 'सैयारा' के अभिनेता अहान पांडेय और अभिनेत्री अनीत पड्डा को अपने नए प्रचार अभियानों का चेहरा बनाया है। कंपनी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य युवाओं के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करना है। कंपनी के अनुसार, दोनों कलाकार अपने स्वाभाविक अंदाज और लोकप्रियता के कारण नई पीढ़ी के बीच तेजी से पहचान बना रहे हैं और ऐसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो बदलती सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से तुरंत जुड़ जाती है। कंपनी ने कहा कि अहान पांडेय और अनीत पड्डा को पेप्सी परिवार में शामिल कर वह युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की अपनी परंपरा को जारी रख रही है, जो आज की पीढ़ी के साथ बेहतर जुड़ाव स्थापित कर सकती हैं। कंपनी में भारत और दक्षिण एशिया के पेय कारोबार के उपाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक नितिन भंडारी ने कहा कि नया प्रचार अभियान पेप्सी की युवा ऊर्जा और जोश को दर्शाता है।

वित्त मंत्रालय ने आईपीओ लाने वाली कंपनियों के लिए सार्वजनिक निर्गम नियमों में संशोधन किया

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों के न्यूनतम सार्वजनिक निर्गम से संबंधित नियमों में संशोधन किया है और इसे निर्गम के बाद की पूंजी से जोड़ दिया है। इस महीने की 13 तारीख को अधिसूचित प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) संशोधन नियम, 2026 के अनुसार, जिन कंपनियों की निर्गम के बाद की पूंजी 1,600 करोड़ रुपये से अधिक और 5,000 करोड़ रुपये से कम है, उन्हें सूचीबद्ध होने के तीन साल के भीतर अपनी सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत करनी होगी।

ऐसा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा तय तरीके से किया जाएगा। नियमों में आगे कहा गया है कि निर्गम के बाद की सीमा चाहे कुछ भी हो, सूचीबद्ध होने के समय प्रतिभूतियों के प्रत्येक वर्ग का कम से कम 2.5 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक रूप से पेश किया जाना चाहिए। संशोधन के अनुसार, यदि किसी कंपनी के निर्गम के बाद उसकी पूंजी 1,600 करोड़ रुपये तक है, तो कंपनी द्वारा जारी किए गए प्रत्येक वर्ग के इक्विटी शेयरों या परिवर्तनीय ऋण पत्र का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक रूप से पेश करना अनिवार्य होगा। अगर यह पूंजी 1,600 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 4,000 करोड़ रुपये से कम है, तो कंपनी को 4,000 करोड़ रुपये के बराबर शेयर पेश करने होंगे। जिन कंपनियों की निर्गम के बाद की पूंजी 4,000 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 5,000 करोड़ रुपये के बराबर या उससे कम है, उनके लिए सार्वजनिक पेशकश कंपनी द्वारा जारी इक्विटी शेयरों या परिवर्तनीय ऋण पत्र के प्रत्येक वर्ग का कम से कम 10 करोड़ होना चाहिए। वहीं, 5,000 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन एक लाख करोड़ रुपये से कम या उसके बराबर की पूंजी वाली कंपनियों को 1,000 करोड़ रुपये के बराबर शेयर और प्रत्येक वर्ग के कम से कम आठ प्रतिशत शेयर जनता को देने होंगे। इन कंपनियों को सूचीबद्ध होने के पांच साल के भीतर अपनी सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत करनी होगी।

इसी तरह निर्गम के बाद पांच लाख रुपये से अधिक की पूंजी वाली कंपनी को कम से कम 1,500 करोड़ रुपये के शेयरों के बराबर और उनके द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक वर्ग के शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर के कम से कम एक प्रतिशत बराबर शेयर जारी करने होंगे। ये नियम पंजीकृत शेयर बाजारों को संशोधित नियमों के लागू होने से पहले के सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों के गैर-अनुपालन के लिए जुर्माना लगाने की अनुमति देते हैं।

आयकर विभाग की मुकदमा प्रणाली में बदलाव की जरूरत: संसदीय समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने आयकर विभाग से उच्च न्यायालयों या उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करने से पहले कर विवाद के मामलों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ मुकदमा समिति गठित करने को कहा है। समिति ने मुकदमेबाजी के प्रति विभाग के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव का आह्वान भी किया है। वित्त मामलों की स्थायी समिति ने 2024-25 में उच्च न्यायालय के स्तर पर आयकर विभाग की सफलता दर महज 12.07 प्रतिशत और आईटीएटी स्तर पर 14.50 प्रतिशत रहने पर चिंता जताई है।

भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली समिति ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि बार-बार आने वाले प्रतिकूल परिणाम प्रणालीगत कमजोरियों की ओर इशारा करते हैं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, "इसलिए केवल यांत्रिक तरीके से अपील दायर करने के मुद्दे को हल करने की आवश्यकता है... अक्सर व्यक्तिगत जिम्मेदारी या सतर्कता जांच से बचने के लिए ऐसा किया जाता है।" आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 तक आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) के समक्ष 3.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विवादित राशि वाले 23,230 मामले लंबित हैं। इसी तरह, उच्च न्यायालय में 5.65 लाख करोड़ रुपये के 41,321 मामले और उच्चतम न्यायालय में 25,403 करोड़ रुपये की मांग वाले 6,880 मामले लंबित हैं।

कर विभाग ने समिति के समक्ष अपनी प्रस्तुति में कहा था कि वह मुकदमेबाजी को "राजस्व के हितों की रक्षा के सिद्धांतों को बनाए रखने" के उपाय के रूप में देखता है। हालांकि, समिति ने कहा कि कानूनी रूप से कमजोर अपीलों को जारी रखने से मुकदमेबाजी की बढ़ती लागत के माध्यम से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है और न्यायिक बुनियादी ढांचे में बाधा आती है। इसके अलावा, करदाताओं को भी वर्षों तक अनावश्यक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। समिति ने सिफारिश की है कि अपील दायर करने का फैसला केवल मौद्रिक सीमा के बजाय मामले की मजबूती और ठोस कानूनी व्याख्या पर आधारित होना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए रिफाइनरी कीमतों पर 'रोक' लगाने की तैयारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि नहीं करने की वजह से उन्हें हो रहे घाटे को कम करने के लिए रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल की आयातित दरों से कम कीमत देने पर विचार कर रही हैं। इस कदम से एमआरपीएल, सीपीसीएल और एचएमएल जैसी एकल रिफाइनरी कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया संकट से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर के पार पहुंच गई हैं। हालांकि, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को इस बढ़ोतरी का बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि ओएमसी अब रिफाइनरी हस्तांतरण शुल्क (आरटीपी) पर रोक लगाने या उस पर छूट तय करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। आरटीपी वह आंतरिक कीमत होती है, जिस पर रिफाइनरियां अपने विपणन खंड को ईंधन बेचती हैं।

इस कदम का मकसद रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल की आयात-समता लागत से कम भुगतान करना है। यदि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो इस प्रस्तावित कदम से रिफाइनरियां कच्चे तेल की बढ़ी हुई लागत का पूरा बोझ आरटीपी के जरिये आगे नहीं बढ़ा पाएंगी और उन्हें इस प्रभाव का एक हिस्सा खुद वहन करना होगा। सूत्रों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) जैसी एकीकृत कंपनियां अपने रिफाइनिंग और विपणन परिचालन के बीच इस घाटे की भरपाई कर सकती हैं। दूसरी ओर मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) जैसी एकल रिफाइनरियों का खुदरा बाजार में नहीं के बराबर दखल है और वे अपना अधिकांश उत्पादन इन्हीं तीन ओएमसी को बेचती हैं।

ऐसे में उनके मार्जिन पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि यदि आरटीपी पर रोक या छूट निजी रिफाइनरियों पर भी लागू की जाती है, तो नायरा एनर्जी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसे रिफाइनरी कंपनियां भी प्रभावित होंगी। ये दोनों निजी कंपनियां अपने उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा ओएमसी को बेचती हैं।

खेती में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए 900 संस्थानों को जोड़ेगा आईसीएआर

नई दिल्ली। कृषि अनुसंधान निकाय आईसीएआर ने रविवार को कहा कि वह खेती में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने के लिए 900 से अधिक संस्थानों को जोड़ने वाला एक राष्ट्रीय 'जेंडर प्लेटफॉर्म' विकसित कर रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कृषि खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक गठबंधन का प्रस्ताव अपनाया गया है। 'कृषि खाद्य प्रणालियों में महिलाएं' विषय पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, आईसीएआर के महानिदेशक एम एल जाट ने बताया कि यह मंच आईसीएआर संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि विश्वविद्यालयों को जोड़ेगा।

सिंधिया ने मध्य प्रदेश के गुना जिले में पहले एकीकृत 'फिजिटल' सेवा केंद्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के गुना जिले के उमरी गांव में लाभार्थियों को ऑनलाइन सेवाएं देने के लिए देश का पहला एकीकृत 'फिजिटल' (फिजिकल+डिजिटल) सेवा केंद्र शुरू किया गया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को कहा गया कि केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दूरसंचार विभाग की 'समृद्ध ग्राम फिजिकल सर्विसेज पायलट पहल' के तहत इस केंद्र का शुभारंभ किया।

उद्घाटन के अवसर पर सिंधिया ने कहा, "समृद्ध ग्राम पहल की शुरुआत के साथ हम दुनिया को अपने उमरी में ला रहे हैं। शिक्षा और कृषि से लेकर स्वास्थ्य देखभाल और सरकारी सेवाओं तक, तकनीक हमारे लोगों के हाथों में सीधे नए अवसर दे रही है।" यह पहल भारतनेट परियोजना के माध्यम से ग्रामीण भारत में उपलब्ध संपर्क का लाभ उठाती है। 'समृद्धि केंद्र' की परिकल्पना एक एकल-खिड़की वाली ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में की गई है, जो एक ही स्थान पर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, वित्तीय सेवाएं, ई-गवेंस सहायता और डिजिटल संपर्क सेवाएं देती है।

सिंधिया ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से किसान डिजिटल उपकरणों के जरिये मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों और फसल के स्वास्थ्य के बारे में वास्तविक समय में जानकारी पा सकेंगे, जिससे कृषि स्मार्ट और अधिक उत्पादक बनेगी। स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में मंत्री ने कहा, "उमरी के प्रत्येक नागरिक को दिल्ली और अन्य राज्यों के चिकित्सकों के साथ टेली-परामर्श और डायग्नोस्टिक्स सेवाएं मिलेंगी। रक्त परीक्षण की रिपोर्ट 30 मिनट से भी कम समय में तैयार हो जाएगी।"

हिट फिल्मों से बनाई अलग पहचान: आलिया भट्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट को उनकी डेब्यू फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 400 लड़कियों के ऑडिशन के बाद मिली थी। करण जौहर की सलाह पर उन्होंने तीन महीने में वजन कम किया। आज बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार आलिया भट्ट की सफलता की कहानी किसी से छिपी नहीं है। हालांकि स्टारकिड होने के बावजूद उनकी पहली फिल्म का सफर आसान नहीं था। मुख्य भूमिका वाली अपनी डेब्यू फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के लिए आलिया को करीब 400 लड़कियों के साथ ऑडिशन देना पड़ा था। कड़ी मेहनत और जुनून के दम पर उन्होंने इस बड़ी प्रतिस्पर्धा में बाजी मार ली। फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में लीड एक्ट्रेस के लिए देशभर से करीब 400 लड़कियों का स्क्रीन टेस्ट लिया गया था। इस लंबी कतार में आलिया भी शामिल थीं। करण जौहर के मुताबिक, जब उन्होंने आलिया का ऑडिशन देखा तो उन्हें लगा कि उनके अंदर एक खास 'एक्स फैक्टर' है, जो फिल्म के किरदार के लिए बिल्कुल सही है। हालांकि उन्होंने आलिया को एक अहम सलाह भी दी थी। करण जौहर ने आलिया से कहा था कि अगर वह इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हैं तो उन्हें अपना वजन कम करना होगा। आलिया ने इस सलाह को गंभीरता से लिया और महज तीन महीने में कड़ी मेहनत करके काफी वजन घटा लिया। इसके बाद वह स्लिम-ट्रिम लुक में कैमरे के सामने आईं और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का दिल जीत लिया। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और आलिया के करियर की मजबूत शुरुआत बन गई। आलिया का एक पुराना ऑडिशन वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह फिल्म वेक अप सीड के डायलॉग बोलती नजर आई थीं। बताया जाता है कि लेखक निरंजन अयंगर ने करण जौहर को आलिया का नाम सुझाया था। करण ने उनका स्क्रीन टेस्ट लिया और तुरंत प्रभावित हो गए। उन्होंने कहा था कि 400 लड़कियों में भी आलिया का अंदाज सबसे अलग था। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बाद आलिया भट्ट ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने हाईवे, उड़ता पंजाब, राज़ी, गली बॉय और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने साबित कर दिया कि वह सिर्फ स्टारकिड नहीं बल्कि एक बेहतरीन अभिनेत्री भी हैं। 'राजी' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। आलिया भट्ट मशहूर फिल्म निर्माता महेश भट्ट और अभिनेत्री सोनी राजदान की बेटी हैं। उन्होंने साल 2022 में अभिनेता रणबीर कपूर से शादी की थी। दोनों की एक बेटी है, जिसका नाम राहा है। आज आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और बहुमुखी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं और अभिनय के साथ-साथ अपने प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के जरिए फिल्मों का निर्माण भी कर रही हैं।

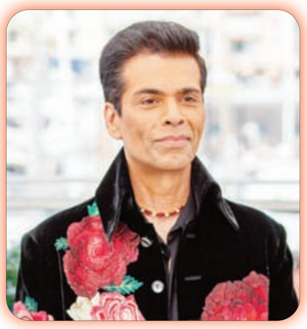

करण जौहर की एक सलाह ने बदल दी आलिया भट्ट की जिंदगी, तीन महीने में घटाया वजन

जान्हवी कपूर ने 'हैमनेट' में जैकोबी जुप की परफॉर्मेंस को कहा साल की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर युवा अभिनेता जैकोबी जुप की परफॉर्मेंस की खुलकर सराहना की, जिसने उन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। जान्हवी कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जैकोबी जुप की फिल्म 'हैमनेट' में की गई अदाकारी की प्रशंसा करते हुए बताया है कि इस परफॉर्मेंस ने उन्हें काफी प्रभावित किया है। जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में जान्हवी ने लिखा है, ₹ 'हैमनेट' इस लड़के की परफॉर्मेंस ज़बरदस्त है। दिल जीत लिया। बिना किसी शक के यह इस साल की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस है, जो दिमाग से निकल ही नहीं रही।" जैकोबी की तारीफ़ में लिखी जान्हवी की यह स्टोरी देखते ही देखते जल्द ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें युवा अभिनेता जैकोबी जुप के काम को सराहा गया था, जिन्हें 'हैमनेट' में अपने किरदार के लिए काफी प्रशंसा मिल रही है। जान्हवी की यह सहज प्रतिक्रिया दर्शाती है कि बतौर दर्शक वे इस परफॉर्मेंस से कितनी गहराई से जुड़ चुकी हैं। गौरतलब है कि जान्हवी कपूर अक्सर उन फिल्मों और परफॉर्मेंस के बारे में बात करती हैं, जो उन्हें प्रेरित करती हैं। फिलहाल जैकोबी जुप के लिए उनकी यह प्रशंसा भी इसी बात का उदाहरण है कि वह सिनेमा में अच्छे काम की खुले दिल से सराहना करती हैं।

बेटी की सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी हायर करेगी प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। ग्लोबल अभिनेत्री प्रियंका चोपडा ने अपनी बेटी मालती की प्राइवेसी और सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी हायर करने का फैसला लिया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह नहीं चाहतीं कि बिना अनुमति कोई उनकी बेटी की तस्वीरें या वीडियो रिकॉर्ड करे। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि जैसे-जैसे मालती बड़ी हो रही है, वह और उनके पति निक जोनस उसकी पहचान को लेकर पहले से ज्यादा सावधानी बरत रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि मालती बहुत घूमना-फिरना पसंद करती है और वे चाहते हैं कि लोग उसे सामान्य बच्चे की तरह देखें, न कि एक सेलिब्रिटी की बेटी के रूप में। उनका मानना है कि बच्चों को ऐसी परवरिश मिलनी चाहिए जिसमें वे लोगों से डरें नहीं और दुनिया को खुले मन से समझ सकें। प्रियंका ने बताया कि वह नहीं चाहतीं कि उनकी बेटी लोगों को शक की नजर से देखना सीखे। उनके अनुसार दुनिया में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग होते हैं, इसलिए बच्चों को जागरूक बनाना जरूरी है, लेकिन साथ ही उन्हें सही-गलत की समझ भी होनी चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने मालती की सुरक्षा को लेकर कुछ अतिरिक्त कदम उठाने का निर्णय लिया। प्रियंका ने यह भी साझा किया कि एक घटना ने उन्हें सुरक्षा को लेकर गंभीर रूप से सोचने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने बताया कि एक बार मालती स्कूल से घर लौट रही थी, तभी एक अजनबी व्यक्ति उसका पीछा करते हुए घर तक आ गया और वीडियो रिकॉर्ड करने लगा। इस घटना ने प्रियंका और निक दोनों को काफी परेशान कर दिया। इसके बाद उन्होंने तय किया कि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी जरूरी है।